दैनिक
# क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 242
मुरादाबाद
(Wednesday)
24 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## किसान दिवस: सीएम योगी ने किसानों को किया सम्मानित, बोले- धरतीपुत्रों के हितों की रक्षा करना सभी का धर्म

किसान दिवस पर सीएम योगी ने किसानों को सम्मानित किया। उन्हें ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। कहा कि किसान के हितों की रक्षा करना सभी का धर्म है। सरकार किसानों की उन्नति के लिए लगातार कार्य कर रही है।राजधानी लखनऊ में मंगलवार को किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। साथ ही कई किसानों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। इस मौके पर सीएम ने कहा कि प्रदेश के किसानों के हितों की रक्षा करना सभी का धर्म है। किसानों की उन्नति के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। यह पहली बार हुआ है कि किसान सरकार के एजेंडे का हिस्सा हैं। 2014 में भाजपा सरकार बनने के बाद से लेकर अब तक लगातार किसानों के विकास के लिए प्रयास किया जा रहा है। जब मां बीमार होती है तो पुत्र का दायित्व होता है कि वह उसकी देखरेख करें। पहली बार ऐसा हुआ कि धरती माता के सेहत को लेकर गंभीरता दिखाई गई।सीएम ने आगे कहा कि अब देश का हर किसान सॉइल हेल्थ कार्ड के जरिए अपनी धरती की सेहत का ध्यान रख रहा है। इसके लिए लगातार सरकार की ओर से किसानों को जागरूक किया गया और तरह-तरह के अभियान चलाए गए। उन्होंने किसानों से भारत माता के जयकारे के साथ देश और प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए अपील की। नए-नए अनुसंधान करके कृषि क्षेत्र को नया आयाम देने का प्रयास- कृषि मंत्री- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि हम जय जवान जय किसान और जय विज्ञान के सहारे तरक्की की नई इबारत लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब इस नारे में जय अनुसंधान भी जोड़ दिया है। इससे विकास की गति और तेज हो गई है। भविष्य की रणनीति के तहत नए-नए अनुसंधान करके कृषि क्षेत्र को नया आयाम देने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि, वर्ष 2047 के विकसित भारत का सपना साकार हो सके।ये लोग रहे मौजूद- कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह सहित कई मंत्री व आरएलडी के सभी विधायक शामिल रहे।



## संक्षिप्त समाचार

### सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन, भारतीय उच्चायोग तलब

विश्व हिंदू परिषद ने मंगलवार को दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन हाल ही में बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में किया गया है। पड़ोसी देश में हो रही सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ देश में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं। बंगीय हिंदू जागरण और अन्य हिंदू संगठनों ने कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।भोपाल में बजरंग दल और दूसरे हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और दीपू चंद्र दास की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बजरंग दल के एक सदस्य ने कहा, बजरंग दल ने आज बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है।जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना के विरोध में मंगलवार को प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की कि या तो हिंदुओं को भारत लाया जाए या वहां उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वकीलों ने यह भी मांग की कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या शरणार्थियों को जम्मू से निकाला जाए। मंगलवार को यहां पड़ोसी देश के उच्चायोग के बाहर सड़कों पर प्रदर्शन किया।

## सदन में उठा BLO की मौत और SIR का मुद्दा, विपक्ष को सुरेश खन्ना से मिला जवाब

यूपी विधानसभा की कार्यवाही जारी है। सदन की शुरुआत परिषदीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूल मर्जर और शिक्षकों की भर्ती के सवालों के साथ हुई। केशव बोले-एक भी आरोपी बचेगा नहीं। अखिलेश यादव का संतुलन बिगड़ा, बिहार जीत के लड्डू उन्हें भिजवाऊंगा। वहीं, शाहनवाज ने कहा, हम फोटो-फोटो खेल रहे, कोडीन मामले में पकड़े गए लोगों को मिली जमानत। विधायक संदीप ने लोक सेवा आयोग की भर्तियों में अनियमितता की बात कही। आज नौजवानों को नाट फार सूटेबल बताकर किनारे कर दिया जाता है। आरक्षण न देना पड़े इसलिए सरकारी नौकरियां खत्म कर दी गईं। आरक्षण न देने पड़े निजीकरण किया जा रहा है। सपा विधायक ने विभिन्न विभागों में भर्तियों का लेखा जोखा प्रस्तुत कर सरकार को घेरा। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद, पशु पालन विभाग में पशु पालन अधिकारी और परिवार कल्याण महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी की रिक्तियों का जिक्र करते हुए आरक्षण पर सवाल उठाए। उन्होंने हर भर्ती की संख्या और आरक्षण का अनुपात गिनाया। कहा कि भाजपा ने हमारे समाज के कुछ लोगों को हायर कर रखा है। वह लोग कभी भी आरक्षण की बात नहीं करते। गरीबों की बात नहीं करते। आज सरकार की नीयत में खोट दिख रही है। उन्होंने कहा कि जो फेक एनकाउंटर में माहिर थे, उन्हें योगी सरकार ने चयन आयोग की जिम्मेदारी दे दी है। विधायक संग्राम सिंह यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं में आरक्षण देने को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यूपी के चयन आयोग ने चुपके से माइग्रेशन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई। छात्रों ने विरोध जताया तो उनके साथ पुलिस ने अभद्रता की। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ज्यादातर बातें चुनाव आयोग के अंतर्गत आती हैं। उन्होंने आर्टिकल 13₇ का जिक्र करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने लोगों को खोया, उनके साथ हमारी संवेदना है। लेकिन, मौत कैसे हुई ये जांच का विषय है। मानवीय आधार पर हमारी संवेदना उनके परिवारों के साथ हैं। हम उनको बाकी सभी सरकारी कर्मचारियों के बराबर ही ट्रीट करेंगे।सपा विधायक पारस ने कहा कि यदि कोई बाहर रहता है तो बीएलओ उसका वोट काटने का दबाव बनाते हैं। कोई बाहर काम कर रहा है तो उसके घरवाले उसका फार्म भर सकते हैं लेकिन बीएलओ उसका भी नाम काटने का दबाव बना रहे हैं। यही नहीं पहले वोटर बनने पर कोई भी व्यक्ति आसानी से फार्म 6 भर सकता था। लेकिन, अब एफिडेविट मांगा जाता है। इसे बनवाने में करीब 600 रुपये खर्च होते हैं। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने यूपी में 10 बीएलओ की हुई मौतों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एसआईआर की जल्दबाजी क्यों थी? बिना किसी ट्रेनिंग के शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई। इससे अफसरों का उन पर अतिरिक्त दबाव था। इससे उनकी मौत हुई। उन्होंने मुरादाबाद के शिक्षक सर्वेश के सुसाइड की मौत का जिक्र किया। फतेहपुर में 27 वर्षीय लेखपाल ने शादी के एक दिन पहले सुसाइड कर लिया। एक महिला शिक्षक की काम के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटनाएं थी जो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आ गईं। बाकी न जाने कितनी घटनाएं हुई होंगी। इसके बाद भी सरकार ने इसकी जवाबदेही नहीं ली। प्रशासनिक लापरवाही के कारण शिक्षकों की जान गई। इस जल्दबाजी में सबसे ज्यादा गरीब, दलितों के नाम कटे। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार उनके परिजनों को नौकरी देगी? साथ ही परिवार को 50 लाख के आर्थिक मदद की मांग रखी।नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने चौधरी चरण सिंह के एक कदम का जिक्र करते हुए बताया कि कम्युनिस्ट यूपी में क्यों प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने एक बार हमसे कहा था कि हमारे एक कदम से काफी लोगों को कुछ न कुछ जमीन मिल गई है।

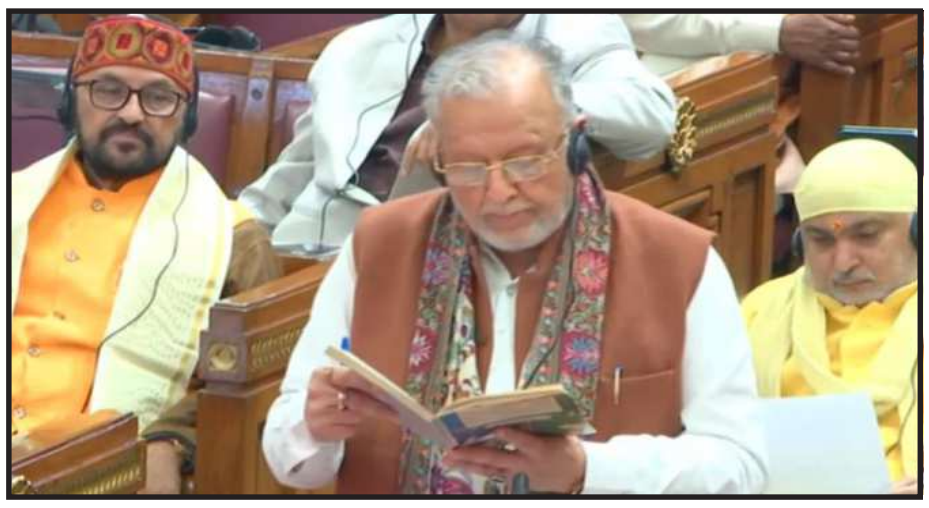

## हिंदुओं पर हिंसा न रुकी तो बांग्लादेशी खिलाड़ियों को IPL नहीं खेलने देंगे, VHP ने किया प्रदर्शन



हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और हिंदू युवा वाहिनी ने मंगलवार को बांग्लादेश दूतावास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हिंसा हो रही है।हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और हिंदू युवा वाहिनी ने मंगलवार को बांग्लादेश दूतावास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हिंसा हो रही है। उनके घरों को लूटा जा रहा है और उनकी बहन बेटियों से अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार न रुके तो वे आईपीएल में बांग्लादेश के क्रिकेट खिलाड़ियों को नहीं खेलने देंगे। हिंदू संगठनों के सैकड़ो युवा कार्यकर्ता और महिलाएं बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर- पहुंचे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश उच्चायोग की तरफ बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा में सतर्क पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। काफी देर तक कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के खिलाफ और हिंदुओं के पक्ष में नारेबाजी की और उच्चायोग की तरफ बढ़ने का प्रयास किया। हिंदू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अधक्ष विक्रम सिंह राठौड़ ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए। बांग्लादेश को अल्पसंख्यकों की जिम्मेदारी का ज्ञान होना चाहिए और उन्हें हर हाल में सुरक्षित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार नहीं रुकते हैं तो वे अपना आक्रामक कदम आगे बढ़ाएंगे और बांग्लादेश के क्रिकेट खिलाड़ियों को आईपीएल और अन्य किसी भी खेल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने देंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत सरकार से भी मांग करते हैं कि वह अपनी नीतियों का उपयोग करते हुए पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हिंदू हो रही हिंसा को रुकवाने का प्रयास करें। इसके पहले भारत ने बांग्लादेश में अपने उच्चायोग को अस्थाई तौर पर बंद कर दिया था और वीजा बनाने की सुविधाओं को रोक दिया था। बांग्लादेश में अशांति बढ़ते देखकर दिल्ली में स्थित बांग्लादेश ऊंचायोग ने भी वीजा प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है।

## प्रियंका गांधी को PM उम्मीदवार बनाने की मांग पर बोले रॉबर्ट वाड्रा, कहा- देश के मुद्दों पर फोकस



उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि देश को सबसे ज्यादा भाईचारे की जरूरत है। उन्होंने बेरोजगारी, प्रदूषण समेत प्रियंका गांधी के पीएम उम्मीदवार बनाने की मांग पर भी अपनी बात रखी।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने एक साक्षात्कार में देश के मौजूदा हालात पर खुलकर अपनी बात रखी। क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रार्थना की है कि पूरे देश में भाईचारा बना रहे और समाज में सौहार्द कायम हो। वाड्रा ने कहा कि उनका पूरा ध्यान स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों पर रहता है। इसी सोच के साथ वे बच्चों से मिले, जिन्होंने उन्हें कैरल के गीत सुनाए और अपने स्कूल व भविष्य के सपनों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें एहसास है कि देश में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती बन चुकी है और शिक्षा ही उन्हें बेहतर भविष्य की उम्मीद देती है।कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद द्वारा प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद का संभावित उम्मीदवार बताए जाने पर उनके पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सब की मांग होती है, सब कहते हैं कि प्रियंका को आना चाहिए। उन्होंने खुद के राजनीति में आने के सवाल पर कहा कि लोगों की ओर से ऐसी मांगें जरूर आती हैं, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी है कि असल मुद्दों पर ध्यान दिया जाए।रॉबर्ट वाड्रा ने खासतौर पर प्रदूषण के मुद्दे को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। उन्होंने स्वीकार किया कि वे खुद पहले खेलकूद और दौड़ जैसी गतिविधियों में सक्रिय रहते थे, लेकिन अब प्रदूषण के कारण बाहर निकलने से बचते हैं। वाड्रा ने लोगों से भी अपील की कि वे प्रदूषित माहौल में दौड़ने या साइकिल चलाने से बचें, क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण जैसे अहम मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा होनी चाहिए। वाड्रा ने यह भी जिक्र किया कि प्रियंका गांधी इस विषय पर संसद में बात करना चाहती थीं, लेकिन सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई।रॉबर्ट वाड्रा ने सुझाव दिया कि अगर देश के भीतर प्रदूषण का समाधान संभव नहीं है, तो अंतरराष्ट्रीय सहयोग लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन या अन्य देशों के अनुभवों से सीखकर भारत को प्रदूषण से राहत पाने का रास्ता निकालना चाहिए। भाईचारा, सुरक्षा और असली मुद्दों पर फोकस- क्रिसमस पर अपनी कामना साझा करते हुए वाड्रा ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा भाईचारे की मजबूती है। उन्होंने कहा कि वे देशभर में अलग-अलग धर्मों के लोगों से मिलते हैं और सभी की प्रार्थना व उम्मीद एक जैसी होती है मुश्किलें कम हों और जीवन बेहतर बने। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिक हिंदू-मुस्लिम जैसे विवादों में नहीं उलझना चाहता, बल्कि बेरोजगारी, प्रदूषण और महिलाओं की सुरक्षा जैसे वास्तविक मुद्दों पर समाधान चाहता है। वाड्रा ने कहा कि पहले देश के अंदर इन समस्याओं का हल निकालना जरूरी है, उसके बाद ही बांग्लादेश या दूसरे देशों के मुद्दों पर बात होनी चाहिए।

## संपादकीय Editorial

### MNREGA is now "Ji Ram Ji"

Friday, December 19th, is the last day of the winter session of Parliament. The government will strive to ensure the passage of the alternative bill to MNREGA, the "Developed India - Guarantee for Employment and Livelihood Mission (Rural)," in both houses, so that it can be notified as law after the President's signature. The new bill is being abbreviated as "Ji Ram Ji." Perhaps this is why this jumble of Hindi and English words has been created. It is also being linked to the BJP's "Ramwadi politics." This reflects a narrow mindset. The fundamental concern and worry should be whether Indians, who have the constitutional right to work, are being provided with 100 or 125 days of employment. When the "National Rural Employment Guarantee Bill" was drafted in 2005 during the Congress-led UPA government, the bill was extensively discussed in a parliamentary committee chaired by senior BJP MP Kalyan Singh. The parliamentary committee also made several suggestions to the then Manmohan Singh government. We report that most of the suggestions were accepted. It was undoubtedly a historic experiment, promising that the poor, unemployed, or anyone in need of work would be provided, through the central government, at least 100 days of employment annually. That pledge and legal provisions remained unfulfilled, as only an average of 50.24 days of employment was provided from 2006-07 to 2024-25. This is indeed a monument to the government's failures, but both Congress and BJP governments have been involved in this. In 2008, the Comptroller and Auditor General of India (CAG) report revealed allegations of mismanagement and widespread corruption. Nearly 70 percent of blocks lacked MNREGA officers. Nearly 52 percent of panchayats lacked MNREGA assistants. In 19 districts of Bengal, payments were made without work and funds were misused. Surveys conducted in 19 states revealed corruption involving collusion between officials and contractors. In 2024-25, during the Modi government, embezzlement and scams worth ?193 crore were discovered. In 2025-26, in 23 states, work under MNREGA was either not carried out or budgetary expenditures were reduced. On December 5th, the government informed the Rajya Sabha that ?9,746 crore remained outstanding under the MNREGA scheme. The budget allocated ?80,000 crore for MNREGA. Since the funds were not spent, it is clear that wages were not distributed because work was not provided. During the UPA government, the Union Rural Development Ministry had sent some professionals, journalists, etc., as representatives to backward areas like Bundelkhand to expose the reality of MNREGA. Many cases of corruption were also detected there. In fact, the issue today should not be that this scheme was named after the Father of the Nation, Mahatma Gandhi, so why was his name removed? The Modi government initially indicated that the amended bill would be named after "Pujya Bapu," but when the draft bill was made public, "Ji Ram Ji" emerged. Of course, the opposition should agitate in the name of Mahatma Gandhi, as the government has continued to run MNREGA in the same manner from 2014 to 2025. There has been no name change. During the COVID-19 pandemic, the government allocated over ?1.11 lakh crore to MNREGA. MNREGA has also significantly helped the common man. Now, the central government is being forced to bear 60 percent of the expenditure, and the states 40 percent. Most states are burdened with heavy debt, so the employment process itself will be affected. "Ji Ram Ji" is also being opposed at social and intellectual levels, as it is feared to take away the right to work.

# It's time to sting China's sore spot; it's essential to respond appropriately to aggression and threats.

This time again, Chinese comments have repeatedly attempted to portray Arunachal Pradesh as part of Tibet, based on its being the birthplace of the Sixth Dalai Lama. The correct response to China's aggression and threats would be for the Indian government to challenge China's illegal and immoral occupation of Tibet and address China's misdeeds. Failure to do so would send the wrong message to China. A few days ago, upon receiving an invitation to attend an international conference on the Sixth Dalai Lama in Tawang, Arunachal Pradesh, I sent a message to several journalist and diplomatic friends, warning them to be prepared for angry and irritated statements from the Chinese government. I said this not as a prophet, but based on my five decades of study of Chinese attitudes and policies towards Tibet and India. That's exactly what happened. Just three days after the conference, which took place from December 3rd to 6th, the Chinese government's virulent response against the Indian government, the Chief Minister of Arunachal Pradesh, and the conference on its website detailing its Tibet policy was a manifestation of the Chinese government's anger, irritation, and aggression at having been touched. A Chinese government commentator's statement not only used the Chinese names "Zhangmen" for Arunachal Pradesh and "Xizhang" for Tibet, but also referred to the region as "Southern Tibet" and called the conference a "cultural encroachment" by the Indian government on a part of "Southeast China." However, by making such accusations against India, the Chinese government completely ignored the fact that its sole justification for claiming Arunachal Pradesh as "Southern Tibet" is that China itself has been in illegal and colonial occupation of Tibet since 1951. Unfortunately, from the Nehruvian era to the present day, Arunachal Pradesh and the country have been enduring Chinese aggression along the Himalayan border. No government has shown the courage to challenge the Chinese government's illegal occupation of Tibet and attack the root of this dispute. The primary reason behind the recent conference was to highlight the historical significance of the Sixth Dalai Lama, Gyalwa Tsangyang Gyatso, internationally. The Sixth Dalai Lama was unique in that he was born outside Tibet on March 1, 1683, in the Tawang region of India (Arunachal Pradesh). Incidentally, when the 14th Dalai Lama fled the Chinese occupation of Tibet in 1951 and later, fearing capture or murder by the Chinese army, he entered India through Tawang. Therefore, Tawang holds special significance due to its deep connection with Tibet's two Dalai Lamas. This was also the reason for holding the conference in Tawang. China is upset that this conference was attended by renowned Tibet experts, Chinese affairs experts, and Buddhist scholars from India and Tibet, as well as the United States, Japan, Mongolia, Israel, and Canada, among other countries. One source of frustration and irritation for the Chinese government was that the conference was organized by the International Buddhist Confederation (IBC) of the Indian government through the Personnel and Spiritual Department of the Arunachal Pradesh government. Respected institutions like the Thubten Shedrubling Foundation and the Centre for Cultural Research and Documentation of Arunachal Pradesh were also involved. The Chinese government's greatest concern about the IBC is that this Indian institution has undermined two decades of Chinese efforts to establish China as the supreme and sole representative of the international Buddhist community through its presence in Tibet through the World Buddhist Forum (WBF). Chinese President Xi Jinping staked his reputation on this initiative soon after coming to power. To establish China as the sole leader of the global Buddhist community, President Xi has been making strenuous efforts to establish China's puppet Panchen Lama, Gyalsen Norbu, as the world's supreme Buddhist leader, bypassing the Dalai Lama residing in India. Norbu, rejected by the Tibetan people themselves, has not gained recognition among international Buddhist leaders and scholars. On the other hand, India's IBC has achieved significant success in organizing and bringing together senior Buddhist leaders from around the world through its numerous influential events, establishing India as a leading center of global Buddhist leadership. The Chinese Communist Party's attempts to monopolize the selection of the next Dalai Lama over the past several years were resolutely rejected by Buddhist leaders from around the world at the IBC's International Buddhist Conference in July this year. A fortnight before this harsh statement against the Tawang Conference, China had humiliated and harassed an Indian female traveler from Arunachal Pradesh at a Chinese airport simply because she held an Indian passport. China argued that they should have held Chinese passports, based on China's claim to Arunachal Pradesh. The Chinese government had previously denied Chinese visas to Indian athletes from Arunachali dozens of times and had also opposed visits to Arunachal Pradesh by the Indian President and the Dalai Lama. This time too, Chinese commentary repeatedly mentioned the birthplace of the sixth Dalai Lama. An attempt has been made to portray Arunachal Pradesh as part of Tibet. In such a situation, the correct response to China's aggression and threats would be for the Indian government to challenge China's illegal and immoral occupation of Tibet and address the Chinese conspiracy's concerns. Failure to do so would send the wrong message to China.

# Rahul's Limitations, Priyanka's Potential

Apart from mirroring Indira Gandhi, Priyanka is considered superior to Rahul in political understanding, communication, and effective oratory. This is why, after her powerful speech on Vande Mataram in Parliament, discussions about a bigger political role are gaining momentum. Priyanka's only downside is the cases filed against her husband, Robert Vadra. Kharge's term as Speaker ends in 2027. Clearly, Sonia will be the one to decide on any new role for Priyanka, but it will be interesting to see when and what that role will be. What are Rahul Gandhi's political limitations? What are Priyanka Gandhi's prospects? The leadership debate continues within the Congress party. During the Parliamentary debate on the 150th anniversary of Vande Mataram, two speeches generated significant attention: one by Prime Minister Modi, who launched a scathing attack on the Congress party, and the other by Congress MP Priyanka Gandhi Vadra. Priyanka targeted Modi and the BJP, but its impact is also being felt in Congress's internal politics

. As Leader of the House, the Prime Minister initiated the discussion on Vande Mataram. While the expectations were from Leader of the Opposition Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi took the lead on behalf of the Congress. Only the Congress party can explain why this happened. However, despite praising Modi's oratory skills, Priyanka Gandhi managed to impress the House with her arguments and facts, along with sarcasm against the ruling party, interspersed with humor. Rahul Gandhi also spoke, but in a discussion on electoral reforms. He primarily repeated allegations of vote-stealing that he has made before. His speech lacked new facts and reasoning, nor did Priyanka's ability to put the ruling party in the dock without being aggressive.

Rahul merely repeated old allegations of vote-stealing, while Priyanka had come prepared on all aspects of the Vande Mataram controversy. Presenting one's views with facts and logic is an effective style in parliamentary debate. Priyanka demonstrated this effective style. Perhaps this is why, within the Congress itself, discussions about giving Priyanka a greater political role, comparing her to Rahul, have again gained momentum. Former Odisha MLA Mohammad Moquim, citing age, demanded that Mallikarjun Kharge be removed and Priyanka Gandhi be appointed the new Congress president.

He also indirectly targeted Rahul Gandhi, and the Congress expelled him. While the BJP's fueling of rumors of a perceived rift between Team Rahul and Team Priyanka may have political implications, it's undeniable that both have their own teams and their own preferred leaders in the country and state. Numerous accounts suggest that Rahul and Priyanka have become two power centers within the Congress. It's believed that Sonia Gandhi kept Priyanka in a behind-the-scenes role to establish Rahul as her successor and avoid two power centers within the party. Priyanka, who handled campaigning and management in Sonia and Rahul's constituencies, had to wait a long time to become the National General Secretary and in-charge of Uttar Pradesh. Indeed, Priyanka's bid for more women candidates in the Uttar Pradesh Assembly elections, with the slogan

"I am a girl, I can fight," failed to pay off. Despite this, Priyanka's candidacy in the Wayanad Lok Sabha by-election, vacated by Rahul Gandhi, who was also elected from Rae Bareli last year, signaled her need. The interpretation was that Priyanka would lead the Congress in relatively favorable South India, while Rahul, who had already resigned from the presidency, would take on the BJP in the rest of the country. However, the desired results were not achieved. Despite a strong performance in the Lok Sabha elections, the Congress failed to perform as expected in Haryana, Maharashtra, and Bihar. Congress's relations with its allies in the opposition alliance are also not smooth. Despite losing three Lok Sabha and numerous assembly elections, the organization does not appear to be a priority for the Congress. Kharge is the national president, but Rahul is the one making the key decisions. It took almost a full year to re-elect the previous Leader of the Opposition in Haryana. Indeed, Rahul is unable to embrace his mother Sonia's Congress and is unable to muster the courage to build a Congress of his own choosing, resulting in an exodus of leaders. The padayatra improved Rahul's image, but organizational weaknesses have not yielded much electoral benefit. Rahul's image has become that of a leader who engages in confrontational politics, making harsh attacks on Modi. There's also a lack of consistency in her politics and issues. Until the Lok Sabha elections, the threat to the Constitution and reservations was the issue, targeting EVMs. Now, the slogan of vote theft is being raised. Rahul's frequent foreign trips give the BJP an opportunity to portray him as a frivolous politician. Meeting Rahul is not easy even for senior state leaders. This is manifesting in Congress members' concerns about the party and their own future. They see better prospects in Priyanka Gandhi. Besides reflecting Indira Gandhi, Priyanka is considered superior to Rahul in political understanding, communication, and effective oratory. This is why, after her impressive speech on Vande Mataram in Parliament, discussions about a bigger political role are gaining momentum. Priyanka's only downside is the cases filed against her husband, Robert Vadra. Kharge's term as president ends in 2027. Clearly, Sonia Gandhi will be the one to decide any new role for Priyanka, but it will be interesting to see when and what that role will be.

# यूपी में एक और मुस्कान: पहले पति के शव के किए टुकड़े-टुकड़े...फिर किया ये काम; राहुल हत्याकांड की पूरी कहानी

मेरठ की मुस्कान की तरह ही संभल की रूबी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की। इसके बाद ग्राइंडर से शव के टुकड़े किए। पति के शरीर के टुकड़े करते समय रूबी के हाथ नहीं कांपे। इसके बाद रूबी ने पति की गुमशुदगी भी दर्ज करा दी।यूपी के संभल जिले के चंदौसी से झकझोर कर रख देने वाली घटना का पुलिस ने खुलासा किया तो मेरठ का सौरभ हत्याकांड नजरों के सामने घूम गया। मुस्कान ने प्रेमी की मदद से पति के टुकड़े कर ड्रम में डाला था, जबकि चंदौसी की रूबी ने प्रेमी के सहयोग से पति की हत्या कर ग्राइंडर से शव के टुकड़े कर दिए। इस हिला देने वाली घटना को अंजाम देते समय रूबी के हाथ नहीं कांपे। शव को साजिश के तहत ठिकाने लगाया गया। हत्या के बाद प्लास्टिक के बैग खरीदे और दोनों ने मिलकर रात में लाश के टुकड़े किए। पहले सिर धड़ से अलग किया फिर हाथ पैर काटे। दिन में ही रेकी कर यह देख लिया था कि जहां लाश ठिकाने लगानी है, वहां सीसीटीवी की नजर तो नहीं है। इसके बाद धड़ को ईदगाह के पास नाले में डाल दिया गया, जबकि सिर व हाथ-पैर बैग में भरकर दोनों राजघाट पहुंचे और शव के टुकड़े गंगा में बहा दिए।किसी मंझे हुए अपराधी की तरह रूबी ने हत्या करने के बाद 18 नवंबर को पति राहुल की गुमशुदगी भी थाने में दर्ज करा दी थी। लेकिन यहीं से पुलिस को सुराग मिला और आरोपियों तक पहुंच गई।मां के कृत्य से अनाथ हुए बच्चे- पति के हत्या के आरोप में पत्नी जेल चली गई। अब बच्चों के सिर पर न पिता का साया और न मां का आंचल। राहुल का 12 साल का बेटा सातवीं कक्षा में पड़ता है, जबकि उसकी 10 साल की बहन छठी कक्षा में पढ़ती है। अब बेटी अपनी मौसी के पास रहेगी और बेटे की परवरिश उसके मामा करेंगे।ये हुई बरामदगी पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पीले रंग का ग्राइंडर, मृतक व अभियुक्तों के खून से सने कपड़ों व बैग की राख, दो मोबाइल, कील ठोकने वाली एक हथौड़ी, एक बैग, एक लोहे की रॉड, एक मोटरसाइकिल स्पलेंडर ब्लैक कलर की, एक एक्टिवा स्कूटी मैरून कलर की, सिल्वर कलर की कार बरामद की है। खुलासा करने वाली पुलिस टीम - राहुल हत्याकांड का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार तोमर, उप निरीक्षक महेश पाल सिंह, कांस्टेबल मुकुल कुमार, विष्णु कुमार च महिला कांस्टेबल ज्योति शामिल हैं।पुलिस कराएगी डीएनए टेस्ट - एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने खुलासे का प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि राहुल के शव का डीएनए सुरक्षित कर लिया गया है। राहुल के बच्चों से डीएनए मैच करा कर अभियुक्तों को सख्त सजा दिलाई जा सके।15 दिसंबर को पतरौआ रोड पर नाले में शव मिला था। शक होने पर पुलिस ने मृतक की पत्नी से पूछताछ की तो तार से तार जुड़ते गए और खुलासा हो गया। महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया है। इस हत्याकांड में प्रयुक्त ग्राइंडर आदि अन्य सामान भी बरामद कर लिए गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी संभलये था पूरा मामला- प्रेम संबंधों में बाधक बने पति के ग्राइंडर से टुकड़े कर गंगा में बहाए- पंद्रह दिसंबर को नाले में मिले शव के मामले का सोमवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। मोहल्ला चुन्नी निवासी राहुल की हत्या उसकी पत्नी रूबी ने अपने प्रेमी गौरव के साथ मिलकर की थी। सिर और पैर के ग्राइंडर से टुकड़े-टुकड़े कर दिए और गंगा में बहा दिए। बाकी बचे धड़ को पॉलिथीन में बंदकर नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।15 दिसंबर को सुबह करीब नौ बजे पतरौआ रोड पर ईदगाह के पास नाले में उतराते मिले एक शव को कुत्ते खींच रहे थे। शव के सिर और पैर कटे हुए थे। उसके पास में एक बैग पड़ा था, जिसमें पॉलीथिन और मांस के टुकड़े थे। पुलिस ने शव की बायीं बाजू पर गुदे राहुल नाम के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया तो सामने आया कि एक माह पहले मोहल्ला चुन्नी निवासी महिला रूबी ने अपने पति राहुल की गुमशुदगी कोतवाली में दर्ज कराई थी। राहुल 18 नवंबर से लापता चल रहा था। इसी आधार पर मोहल्ला चुन्नी के रहने वाले राहुल के रूप में शव की पहचान हो सकी।पुलिस ने जब पत्नी रूबी से पूछताछ की तो तार से तार जुड़ते गए। इस मामले में पुलिस ने गुमशुदगी को हत्या में तरमीम करते हुए रूबी और मोहल्ले के ही गौरव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस की पूछताछ में पत्नी रूबी और प्रेमी गौरव ने बताया कि वह दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। राहुल को दोनों के संबंधों को लेकर शक था। 18 नवंबर की रात राहुल ने घर में ही गौरव और रूबी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। नाराज होकर राहुल दोनों के साथ मारपीट करने लगा और रूबी को मोहल्ले में बेइज्जत करते हुए घर से निकालने की धमकी दी थी।गौरव ने पुलिस ने बताया कि तब रूबी ने उससे कहा कि राहुल को मार दो। इस पर गौरव ने राहुल के सिर पर लोहे की रॉड और रूबी ने मूसल से वारकर हत्या कर दी। अगले दिन राहुल के शव को छिपाने के लिए घंटाघर मार्केट से प्लास्टिक की पन्नी, दो बैग खरीदे थे और राहुल की लाश को काटने के लिए जीतू मिस्त्री से ग्राइंडर किराए पर लेकर आया था। हुल की गर्दन व पैर काट दिए।उसी दिन किराए की गाड़ी से कटे हुए सिर व पैर वाले बैग को और राहुल के मोबाइल को राजघाट गंगा में पुल से फेंक दिया था। दूसरे बैग में धड़ था, उसे पतरौआ रोड पर ईदगाह के पास नाले में फेंक दिया था। इसके बाद राहुल का लोअर, गौरव व रूबी के खून से सने हुए कपड़े चुन्नी मोहल्ले के पीछे आलम के घर के सामने सुनसान स्थान पर जला दिए। पुलिस ने सोमवार की सुबह 6:45 बजे आटा और कैथल गांव के मार्ग पर स्थित सैनिक चौराहे से गिरफ्तार किया।

# शादी के लिए दबाव बनाया तो वायरल कर दूंगा वीडियो, डीजल बेचने के लिए अवैध मशीन लगाने वाला पकड़ा

मुरादाबाद की युवती को युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। जब युवती ने शादी करने को लेकर दबाव बनाया तो युवक ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरे केस में डीजल बेचने के लिए अवैध तरीके से मशीन लगाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आपूर्ति विभाग की टीम ने दलपतपुर (मूंढापांडे) में छापा मारकर अवैध ढंग से संचालित डीजल मशीन को पकड़ लिया। इस मामले में टीम ने डीजल का सैंपल लेने के बाद मशीन को बंद करा दिया। जिला पूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि रविवार को गोपनीय सूचना मिली कि दलपतपुर में एक व्यक्ति अवैध ढंग से डीजल की बिक्री कर रहा है।मौके पर देखने पर पता चला कि उसने डीजल बेचने के लिए नोजल और मशीन लगाया है। विभाग के अधिकारियों ने डीजल का सैंपल लिया। पता चला कि वह पेट्रोल पंपों से सस्ता डीजल बेंच रहा था। आशंका है कि डीजल में मिलावट की गई है।सैंपल की रिपोर्ट आने पर मिलावट के बारे में पता चलेगा। डीजल विक्रेता की मशीन बंद करा दी गई है। उसका नाम पता दर्ज किया गया है। रिपोर्ट आने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण-मझोला थानाक्षेत्र में रहने वाली युवती के साथ एक युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पीड़ित युवती ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि मझोला के नया गांव आंबेडकर नगर निवासी दीपक से उसके प्रेम संबंध थे। आरोपी ने युवती को शादी करने का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। पीड़िता ने शादी के लिए कहा तो आरोपी टाल मटोल करने लगा। पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने धमकी दी कि उसके मोबाइल में अश्लील वीडियो है। अगर ज्यादा दबाव बनाएगी तो अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है। ईंट से लदी तीन गाड़ियां पकड़ीं- राज्य कर विभाग ने अभियान के तहत ईंट से लदी 40 गाड़ियों की जांच की लेकिन तीन गाड़ियां जीएसटी चोरी के आरोप में पकड़ी गईं। दो चालकों के पास कोई कागजात मौजूद नहीं थे। राज्य के अपर आयुक्त ग्रेड-2 आरए सेठ ने बताया कि ईंट भट्ठा मालिकों द्वारा जीएसटी देने में लापरवाही बरतने पर अभियान चलाया गया है। चेकिंग के दौरान मुरादाबाद, अमरोहा और बिजनौर में मोबाइल दस्तों ने ईंट की गाड़ियां पकड़ी हैं। मुरादाबाद में भी कुछ कारोबारियों ने डीएम से 70 ईंट भट्ठों के बारे में शिकायत की गई हैं। इस सूची को लेकर जांच की जाएगी। गैस एजेंसी का सौदा तय कर ठगे 10.62 लाख रुपये-भगतपुर के डूंगरपुर निवासी अश्वनी देव ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि मझोला के नया मुरादाबाद निवासी अशोक कुमार डूंगरपुर में मैसर्स आक्षांश भारत गैस एजेंसी चलाते हैं। अश्वनी देव का आरोप है कि अशोक कुमार ने एजेंसी का सौदा उससे 65 लाख रुपये में तय किया था। इसके बाद अशोक कुमार और उसकी पत्नी रेनू ने भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन के समक्ष शपथपत्र देकर सहमति और नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट भी प्रस्तुत किया था। इसके बाद अशोक कुमार ने अलग-अलग तारीख में गैस एजेंसी का लोड मंगवाने, पुनर्गठन फीस और लाइसेंस ट्रांसफर कराने के नाम पर 10.62 लाख ले लिए। रकम लेने के बाद अशोक कुमार ने गैस एजेंसी अश्वनी के नाम ट्रांसफर नहीं कराई। पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो अशोक कुमार ने उसे एससी-एसटी एक्ट के मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

# बजट में अफसरों की मनमानी, मेयर ने उठाए सवाल, नगर निगम बैठक में जिम्मेदार नहीं दे पाए जवाब

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में वर्ष 2025-26 का पुनरीक्षित बजट पेश किया गया। कुछ मदों में मनमानी बढ़ोतरी पर महापौर ने आपत्ति जताई और संशोधन के निर्देश दिए। बैठक में पार्षदों की विभिन्न स्थानीय समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी।मुरादाबाद नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में सोमवार को वर्ष 2025-26 को पुनरीक्षित बजट पेश किया गया। महापौर विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता वाली बैठक में 1146.49 करोड़ रुपये की आय की तुलना में 1022.46 करोड़ के व्यय को मंजूरी दी गई। वहीं विभिन्न मदों को मनमाने तरीके से बजट बढ़ाए जाने पर महापौर ने सवाल खड़े कर दिए।पूछना पड़ा कि इतना बजट क्यों बढ़ा दिया गया? कई मदों पर अधिकारी जवाब नहीं दे सके, उन्हें इसमें संशोधन करने की बात की। कुछ मदों में विवरण मांगते हुए रोका गया है। बैठक सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल कुछ देर के लिए आए और फिर चले गए।इसके बाद अपर नगर आयुक्त ने ही सदन की कार्रवाई का संचालन किया। पिछली बैठक की कार्रवाई की पुष्टि के बाद पार्षदों ने अपनी समस्याएं रखीं। इसमें पार्षद शैलेंद्र कुमार व प्रशांत कुमार आदि पार्षदों ने पंडित नगला में श्मशान घाट बनाने, हनुमान मूर्ति से रेलवे क्रॉसिंग तक नाला बनाने, बंदरों से निजात दिलाने, सफाई दुरुस्त कराने, पथ प्रकाश व्यवस्था ठीक कराने जैसी कई मांगे रखी गई, जिन्हें स्वीकृति मिल गई। एजेंडे के सभी 13 प्रस्तावों को पारित कर दिया गया। पार्षद नदीम ने शहरभर में लगवाए गए खोखों के खाली पड़े होने और पार्षद विनोद शर्मा ने पार्किंग का मुद्दा उठाया। इस दौरान शिवप्रसाद शर्मा, मोहसिन अहमद, शिखा परमार, मनोरमा सैनी, चंद्रभान सैनी, शमशेर अली, विशाल सिंह गोलू, मोहम्मद जुनैद, अजय तोमर शामिल रहे। इससे मिली राहत- सदन ने सीधे तौर पर पार्कों का प्रवेश शुल्क कम करने, विभिन्न बाजारों में दुकानों का किराया कम करने, 31 जनवरी तक एक मुश्त बकाया जमा करने पर 10 प्रतिशत छूट ने देने, बिना वैधानिक अनुमति के सड़कों को न खोदने के प्रस्तावों को पारित कर लोगों को राहत दी है। एफओबी को करें हैंडओवर- मेयर ने कहा कि 10 साल पहले फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनाने के लिए नगर निगम ने रेलवे को 6.31 करोड़ की धनराशि दी थी, छह करोड़ की जमीन भी दी थी। वह तैयार हो गया, अब जर्जर होने की स्थिति में आ गया है लेकिन रेलवे ने उसे अभी तक नगर निगम को हैंडओवर नहीं किया गया। इसके लिए रेलवे अधिकारियों को पत्र लिखने के निर्देश दिए। दुकानदारों को मिली राहत- 500 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया की श्रेणी में आंबेडकर मार्केट, पटेल मार्केट, जनाना अस्पताल के सामने मार्केट, जनाना अस्पताल साइड मार्केट, मर्दाना अस्पताल गेट मार्केट, मर्दाना अस्पताल साइड मार्केट एवं हरीशन मार्केट के लिए निर्धारित किया गया, यहां पहले 618.7 प्रति वर्ग मीटर किराया था। 400 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया वाली श्रेणी में प्रताप मार्केट, मानपुर मार्केट, मधुबनी मार्केट व कटरा नाज खां को रखा गया है। 300 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया में हैलेट रोड भू-तल एवं पूर्वी पटरी, जामा मस्जिद मार्केट तथा कपूर कंपनी चौराहा को रखा गया है। 250 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया केवी खान मार्केट व सिंधी पोंड मार्केट और 200 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया में हैलेट रोड प्रथम तल व देहरी गांव क्षेत्र की दुकानों के लिए तय किया गया। इन मदों के खर्च बढ़ाने पर मेयर ने उठाए सवाल- सामान्य प्रशासन की मद में भी व्यय 3.50 करोड़ से बढ़ाकर 4 करोड़ करने पर कंप्यूटर ऑपरेटरों पर खर्च 65 लाख से बढ़ाकर 70 लाख करने पर सफाई कर्मियों पर पिछले साल 37 करोड़ व्यय था

## संक्षिप्त समाचार

# मसूरी से ज्यादा ठंडा रहा मुरादाबाद, कोहरे ने रोक दी हाईवे पर रफ्तार

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के कारण मुरादाबाद मंडल में जनजीवन प्रभावित हो गया है। शहर का अधिकतम तापमान 17 डिग्री चल रहा है। जो मसूरी से भी कम है। कोहरे से दृश्यता घटने के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो गया है।मुरादाबाद मंडल में कड़ाके की ठंड ने एक बार फिर लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है। मंगलवार सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। इससे ठिठुरन बढ़ गई है। इससे पहले जिला सोमवार को मसूरी से भी ज्यादा ठंडा रहा। मसूरी का अधिकतम तापमान 21.5 तो मुरादाबाद का 17 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं 87 प्रतिशत आद्रता के चलते ठंड में गलन बढ़ गई, जिससे लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेते नजर आए।न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन का तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री नीचे लुढ़क गया सुबह-सुबह घने कोहरे ने दृश्यता को प्रभावित किया और राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।हालांकि दोपहर में धूप निकलने से लोगों ने कुछ राहत महसूस की। सड़क मार्ग और रेल मार्ग दोनों से सफर करने वाले यात्री परेशान रहे। कोहरे के कारण मंडल की 30 ट्रेनें पहली ही निरस्त हैं। सोमवार को 14 ट्रेनें मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर देरी से पहुंचीं। राहत के आसार नहीं मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों से आ रही ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।अगले एक सप्ताह तक ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सुबह और रात के समय कोहरा और धुंध बने रहने की संभावना है। ऐसे में अभिभावकों ने स्कूलों का समय बदलने की मांग की है। कांठ और कुंदरकी में भी कोहरे और ठंडी हवा से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सोमवार की सुबह ठंड की वजह से सड़कें सूनसान रहीं। सोमवार की सुबह कोहर ने लोगों को घरों के अंदर दुबकने के लिए मजबूर कर दिया। सब्जी उत्पादक दयाराम सिंह, विरेंद्र सिंह, नौरंग ने बताया कि आलू, मिर्च, बंद गोभी की फसल पर ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है।सप्ताह भर राहत के आसार नहीं- मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे ठंड का असर बना रहेगा। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों से आ रही ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।अगले एक सप्ताह तक ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सुबह और रात के समय कोहरा और धुंध बने रहने की संभावना है। ऐसे में अभिभावकों ने स्कूलों का समय बदलने की मांग की है।यह ट्रेनें रहीं लेट

22423 जनसाधारण एक्सप्रेस 6:19 घंटे 14322 आला हजरत एक्सप्रेस 5 घंटे 15280 पुरबिया एक्सप्रेस 5 घंटे 15655 कामख्या-वैष्णो देवी एक्सप्रेस 2 घंटे 12391 श्रमजीवी एक्सप्रेस 2 घंटे 15012 चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस 1:15 घंटे 22418 महामना एक्सप्रेस 1:20 घंटेडॉक्टरों की सलाह, इन चीजों का करें सेवन बाजरे के आटे की टिक्की खा सकते हैं।-चीकू फायदेमंद है। इसमें फाइब्रस डाइट होती है। पेट साफ रखता है और ताकत देता है। शुगर के मरीज खजूर और अंजीर खाकर दूध का सेवन कर सकते हैं। बथुए का सेवन करें। इससे कब्ज दूर होती है और पेट सही रहता है। ताकत का सबसे अच्छा स्रोत बथुआ माना जाता है। पालक और सरसों का साग ताकत देने के साथ पेट के लिए फायदेमंद है। मैथी-पालक की भुजिया शुगर के मरीजों के लिए लाभदायक है। तिल से बनी हुई कोई भी चीज मीठे में खा सकते हैं। खून की कमी वाले लोग दूध गर्म करके खजूर का शेक बना लें, उनके लिए लाभदायक होता है। सुबह-शाम ले सकते हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जयंती पर लोकदल पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।** 123वीं जयंती के अवसर पर चौधरी चरण सिंह पार्क कचहरी स्थित राष्ट्रीय लोकदल बरेली के जिलाध्यक्ष मो. मतलूब एडवोकेट नें पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ चौधरी चरण सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन फूल अर्पित किए।

कार्यक्रम में पहुंचकर प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक नें भी चौधरी साहव को पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया , जिसमे जिलाध्यक्ष ने चौधरी चरण सिंह के जीवन एवम उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्यों को बताया कहा कि चौधरी साहव हमेशा गरीव मजदूर किसानो के सच्चे हितैसी रहे प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक ने कहा कि सभी रालोद कार्यकर्ता चौधरी चरण सिंह जी के पदचिन्हो पर चलकर पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य करें कुलदीप सिंह पवार नें कहा- किसानों, ग्रामीण भारत और सामाजिक न्याय के लिए उनके विचार एवं संघर्ष हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मो मत लूब एड, प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक, कुलदीप सिंह पवार, विजय बहादुर सक्सेना शहादत हुसैन, राजवीर उपाध्याय, संजीव शर्मा, नंद किशोर मिश्रा किस्मत अली शाकिर अली मंसूरी तौफीक अली अख्तर राजा चौधरी विजय पाल सिंह एडवोकेट बीपी सिंह अहलावत हसमत अली साकिर खान, वीरेंद्र पाल गंगवार, मीरा चौधरी, चाँद बाबू, आदि लोग उपस्थित रहे ।

## नवाबगंज में बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंककर जताया विरोध

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली** ।बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ मंगलवार को नवाबगंज में हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने जिला उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह के नेतृत्व में बांग्लादेश में हिंदुओं के हो रहे कत्लेआम को लेकर तीखा विरोध जताते हुए यूनिस सरकार का पुतला फूंका कर भारत सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की।इस दौरान हिंदू जागरण मंच के तहसील अध्यक्ष सूरज गंगवार ब्लॉक अध्यक्ष प्रताप सिंह युवा नगर अध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर बृजेश भोजवाल जिला कार्यकारिणी सदस्य इंद्रपाल सक्सेना नगर अध्यक्ष तेजपाल सक्सेना नगर उपाध्यक्ष प्रदीप राठौर प्रचार प्रमुख शांति स्वरूप ओमप्रकाश सक्सेना बेंचेलाल राठौर , देवदत्त श्रीवास्तव ,राम बहादुर कश्यप,जयपाल, रेड्डी रामदास सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

## मिशन शक्ति 5.0 को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने हेतु दिए दिशा-निर्देश

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली।** शासन की प्राथमिकताओं के अंतर्गत निर्धारित दस बिन्दुओं में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिन्दु मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत स्थापित मिशन शक्ती केन्द्रो के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, संरक्षण तथा सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी द्वारा परिक्षेत्र के समस्त जनपदों में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई । समीक्षा के दौरान सर्किल अधिकारियों एवं थाना स्तर पर संचालित मिशन शक्ति केन्द्रों द्वारा संपादित किए जा रहे कार्यों, प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या, उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण का परीक्षण किया गया।

समीक्षा के उपरांत यह निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति केन्द्रों की भूमिका को केवल औपचारिक न मानते हुए उन्हें महिलाओं की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनाया जाए।दिनांक 24.12.2025 को जनपद बरेली के थाना कोतवाली आंवला में मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम किसी अपराध की कार्रवाई का नहीं, बल्कि समझौते, संवाद और संवेदना का प्रतीक होगा। इस कार्यक्रम में आंवला सर्किल के लगभग 100 पारिवारिक विवादों को परिवार परामर्श केंद्र और मिशन शक्ति टीम द्वारा दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर सुलझाया गया है।

कार्यक्रम के दौरान ऐसे परिवारों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अहंकार को छोड़कर संवाद को अपनाया, हिंसा को त्यागकर समझ को चुना और न्यायालय की लंबी प्रक्रिया के बजाय शांति का मार्ग चुना । मिशन शक्ति केंद्रों में आने वाली महिलाएं केवल शिकायतकर्ता नहीं होतीं-वे डर, अपमान, पीड़ा और टूटे आत्मविश्वास के साथ आती हैं। ऐसे में मिशन शक्ति टीम पीड़िता के आगमन से लेकर उसके मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णत: सशक्त होने तक 360 डिग्री सहयोग प्रदान करती है।

मिशन शक्ति टीम केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि काउंसलिंग, मानसिक सहयोग, कानूनी मार्गदर्शन, संरक्षण सेवाएं,आत्मनिर्भरता की दिशा में मार्गदर्शन जैसी सेवाएं देकर पीड़िता को फिर से आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत देती है।

## बी.एड. के छात्राध्यापकों हेतु स्काउट गाइड बिगिनर्स कोर्स का हुआ आयोजन

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।** महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के बी.एड. विभाग एवं एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) के द्वारा दिनांक 23.12.2025 को एकद्विवसीय स्काउट/गाइड बिगिनर्स कोर्स का आयोजन किया गया जिसमें बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वन्दना से किया गया।

प्रशिक्षक डॉ. पुष्पकान्त शर्मा (जिला प्रशिक्षण आयुक्त भारत सरकार एवं गाइडस जिला संस्थान बरेली) एवं श्रीमती सरबजीत कौर (प्रवक्ता गुरू नानक रिक्की सिंह गर्ल्स इण्टर कॉलेज बरेली) के द्वारा स्काउट प्रार्थना करवायी गयी। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुये स्काउट/गाइड के उद्देश्य को जानने एवं जीवन में अपनाने का सन्देश दिया।

बी.एड. के विभागाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर मेहरोत्रा के द्वारा छात्राध्यापकों के जीवन में स्काउट/गाइड बिगिनर्स कोर्स के महत्व एवं भविष्य में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। प्रशिक्षक डॉ. पुष्पकान्त शर्मा एवं श्रीमती सरबजीत कौर के द्वारा छात्र-छात्राओं को स्काउट/गाइड के इतिहास के बारे में, गाँठ लगाना, स्काउट ध्वज के महत्व एवं वर्तमान में विद्यालयों में स्काउट/गाइड के महत्व एवं उसके आयोजन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालयों के स्काउट/गाइड के शिविर को आयोजन से संबंधित मुख्य बाते बताई गयी। मंच संचालन कार्यक्रम संयोजिका डॉ. रंजना जायसवाल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, अजीत सिंह, नमिता गुप्ता, डॉ. शिवानी शर्मा, उपमा गुप्ता, नगमा बी आदि उपस्थित रहे।

## बरेली में खाद्य सुरक्षा विभाग टीम की कार्रवाई, मिलावट खोरी पर कसा शिंकजा

### व्यापारियों में मचा हड़कंप 9 खाद्य नमूने लिए, सैकड़ों क्विंटल आटा-मैदा सीज

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।** आगामी क्रिसमस पर्व को देखते हुए शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कार्रवाई की है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी बरेली के निर्देश पर 22 दिसंबर 2025 को बरेली में छापेमारी अभियान चलाया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य)- नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने परसाखेड़ा, बरेली स्थित प्रतिष्ठान मैसर्स रेज़ल फूड्स प्रा. लि. पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा कुल 9 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। इनमें रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, ब्रेड इम्प्रूवर के-5, सोया आटा (फुल फैट), आटा, ब्रेड इम्प्रूवर टी-300, कैल्शियम प्रोपियोनेट ग्रैन्यूलर (फूड ग्रेड), मैदा, एनर्जी बूस्ट/ग्लूटिन तथा टूटी-फूटी कैंडी शामिल हैं। जांच के दौरान लगभग 500 किलोग्राम गेहूं का आटा (अनुमानित मूल्य ?16,000) तथा 17,190 किलोग्राम मैदा (अनुमानित मूल्य लगभग ?5.50 लाख) को पैकेजिंग एवं लेबलिंग में अनियमितता पाए जाने पर जब्त कर सीज कर दिया गया। सभी खाद्य नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित फर्म के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी बरेली ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### राम राम के जयकारों से राम मय हुआ श्री हरि मंदिर

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।** श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन में श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ व हनुमान जी की आरती के साथ साथ सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। संकीर्तन मंडल द्वारा जुगल जोड़ी सरकार के श्रीचरणों में भजनों के माध्यम से अपनी अपनी हाजरी दी और हरि मंदिर प्रांगण को भक्तिमय बना दिया। मंडल के रवि छाबड़ा ने हे दुख भजन .....,संजय आनन्द ने है हनुमान बजरंग बली .....,जतिन दुआ ने महावीर कोई आप सा बलवान ना देखा.....,सचिन सेठी ने हे अनजानी सुत हनुमान.....,पंकज ने मेरी गलती क्षमा करना.....,सौरभ ने दूर करो दुख मेरा हनुमत....., पंडित श्री रमेश तिवारी एवं सुनील शास्त्री जी द्वारा हनुमान जी विधिवत श्रृंगार किया गया। मंदिर कमेटी के सचिव श्री रवि छाबड़ा जी ने बताया कि श्री हरि मंदिर में इस तरह से सामुहिक पाठ वा आरती पिछले कई वर्षों से जारी है। सभी बरेली वासियो श्रद्धालु से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की प्रार्थना है । अंत में सभी उपास्थित भक्तो को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, उपाध्यक्ष अश्विनी ओबेरॉय,सचिव रवि छाबड़ा, संजय आनन्द, गोविन्द तनेजा, रंजन कुमार, हरीश लुनियाल,अतुल कपूर और महिला मण्डल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहीं।

### एक विशाल नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया

**क्यूँ न लिखूँ सच/ बरेली** जनपद के भुता थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत लहिया में मंगलवार दोपहर एक विशाल नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। बरेली के एक निजी नेत्र चिकित्सालय द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी आंखों की जांच कराई शिविर का संचालन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. हरबंश सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें कुल 60 मरीजों की आंखों का गहन परीक्षण किया गया। जांच के बाद दृष्टि दोष से पीड़ित 20 मरीजों को मौके पर ही नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए इसके अतिरिक्त गंभीर नेत्र समस्याओं से जूझ रहे 8 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चुना गया। इन मरीजों का ऑपरेशन आधार कार्ड के माध्यम से पूरी तरह नि:शुल्क किया जाएगा। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों को काफी राहत मिली है। ऑप्टोमेट्रिस्ट आकाश देवल और ऑप्टोमेट्रिस्ट आदर्श पाल ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने मरीजों की जांच करने के साथ-साथ उन्हें आंखों की देखभाल और साफ-सफाई के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श भी दिए। ग्रामीणों को नियमित रूप से आंखों की जांच कराने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना के मंडल अध्यक्ष (रोहिलखंड बरेली) हरेंद्र सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष अजय पटेल, ग्राम प्रधान लहिया प्रेमपाल यादव सहित सुरेश मौर्य, लक्ष्मण प्रसाद मौर्य और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने नेत्र चिकित्सालय की इस जनहितैषी पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की। इस सफल आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास और जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

# बदरवास में सामूहिक धर्मांतरण का षड्यंत्र बेनकाब, 6 घंटे में 5 आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी,ब्यूरो। बदरवास थाना क्षेत्र अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को बहला-फुसलाकर एवं प्रलोभन देकर सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन कराने के षड्यंत्र का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 6 घंटे के भीतर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना बदरवास में अपराध क्रमांक 331/2025 के तहत मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 1968 की धारा 3,4 एवं मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3,5 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 22 दिसंबर 2025 को ग्राम घूघला निवासी हमीर सिंह भील (32) ने शिकायत दर्ज कराई कि ग्राम के कुछ लोगों द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए धन, शिक्षा, नौकरी एवं विवाह में सहायता का लालच देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। जांच में पाया गया कि बहादुर भील एवं सोमला भील के घर पर सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन का प्रयास किया जा रहा था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे द्वारा पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अमजी भील (50) निवासी घूघला, वीरेन्द्र कुमार तिर्की (54) शिक्षक, सुगनचंद उर्फ सुगनशाह पैकरा (52) पटवारी,राजपति बाई तिर्की (51) शिक्षिका,अनीता भगत (52) शिक्षिका शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धर्म परिवर्तन से संबंधित सामग्री भी जप्त की है। विवेचना में सामने आया है कि आरोपी पिछले 4-5 वर्षों से इस गतिविधि में संलिप्त थे तथा गरीब आदिवासी परिवारों को बच्चों की शिक्षा, नौकरी और 25-25 हजार रुपये का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। फिलहाल सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है तथा प्रकरण में साक्ष्य संकलन की कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में थाना बदरवास पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

# सट्टा किंग बिट्टू की हत्या में फैसला, पिता-पुत्र समेत चार को आजीवन कारावास, रंजिश में मारी थी गोली

सट्टा किंग जुल्फिकार अली उर्फ बिट्टू की हत्या में अदालत ने हिस्ट्रीशीटर साबिर कालिया, उसके पिता समेत चार को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन पर 27-27 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। वर्ष 2014 में सट्टे के धंधे को लेकर बिट्टू की गोली मारकर हत्या की गई थीसट्टा किंग के नाम से मशहूर रहे जुल्फिकार अली उर्फ बिट्टू की हत्या के मामले में सोमवार को एडीजे-11 छाया शर्मा की अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने हिस्ट्रीशीटर साबिर कालिया, उसके पिता और बेटे समेत चार मुलजिमों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है जबकि चारों पर 27-27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस घटना को मझोला क्षेत्र में आजाद नगर सट्टे के धंधे को की सुबह करीब साढ़े कर दी गई थी। सराय निवासी के बेटे इस्तेकार ने बताया कि वह अपने के साथ आजाद नगर

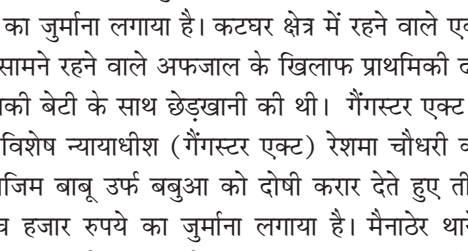

गुलफाम मस्जिद के पास लेकर नौ अक्तूबर 2014 चार बजे बिट्टू की हत्या कटघर के करबला दस जुल्फिकार अली उर्फ बिट्टू दर्ज कराई प्राथमिकी में पिता और रिश्तेदार तनवीर गुलफाम मस्जिद के पास अपने कारखाने गया था।इस्तेकार और तनवीर कारखाने का गेट खोलने लगे जबकि जुल्फिकार अली उर्फ बिट्टू बाहर सड़क पर खड़ा होकर सिगरेट पीने लगा था। इसी दौरान वहां बारादरी निवासी अजीम, उसका भाई अय्यूब, कटघर के करबला गली नंबर पांच निवासी कालिया साबिर, उसका बेटा शाकिर, पिता मिट्ठन, मझोला के लाइनपार निवासी चंचल गुप्ता और उपदेश गुप्ता आ गए और उन्होंने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। जिसमें उसके पिता बिट्टू घायल हो गए थे। दिल्ली में इलाज के दौरान बिट्टू की मौत हो गई थी। इस मामले में विवेचना के बाद पुलिस ने अजीम, कालिया साबिर, शाकिर, मिट्ठन और भोजपुर के कोरबाकू निवासी रिजवान उर्फ इरफान के खिलाफ हत्या में चार्जशीट दाखिल की थी जबकि चंचल, उपदेश और अय्यूब के नाम विवेचना में निकाल दिया गया था। इस केस की सुनवाई एडीजे-11 छाया शर्मा की अदालत में चली। अजीम के लगातार गैरहाजिर होने के कारण उसकी फाइल दूसरी कोर्ट में भेज दी गई थी। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद हिस्ट्रीशीटर साबिर कालिया, उसके पिता मिट्ठन, बेटे शाकिर और रिजवान को दोषी करार दिया। दो दिन बाद दिल्ली में उपचार के दौरान तोड़ा था दम- बिट्टू को नौ अक्तूबर 2014 की सुबह कई गोलियां मारी गई थी। गंभीर रूप से घायल बिट्टू को परिजन साईं अस्पताल ले गए लेकिन गंभीर हालत में उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया था दिल्ली में उपचार के दौरान बिट्टू को मौत हो गई थी। पुलिस ने पहले इस मामले को जानलेवा हमले में दर्ज कियाथा लेकिन मृत्यु होने के बाद केस में हत्या की धारा बढ़ा दी गई थी। छेड़खानी के दोषी को दो साल की कैद- दूसरे केस में किशोरी से छेड़खानी के मामले में अदालत ने मुलजिम अफजाल को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। कटघर क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने पांच मई 2022 को प्रेम वंडरलैंड के सामने रहने वाले अफजाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें आरोप था कि आरोपी ने उसकी बेटी के साथ छेड़खानी की थी। गैंगस्टर एक्ट के दोषी को तीन साल की कैद- तीसरे केस में विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) रेशमा चौधरी की अदालत ने सोमवार को गैंगस्टर एक्ट के मुलजिम बाबू उर्फ बबुआ को दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद की सजा सुनाई है जबकि पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। मैनाठेर थाने में इंस्पेक्टर राजेश सिंह सोलंकी ने 21 नवंबर 2015 को बिलारी के सहसपुर निवासी बाबू उर्फ बबुआ के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। विवेचक ने विवेचना पूरी करने के बाद आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी।

# खाने के शौक ने ली जान: पिज्जा-बर्गर और चाऊमीन...अधिक फास्ट फूड सेवन से 11वीं की छात्रा की आंतें खराब; हुई मौत

अधिक फास्ट फूड का सेवन एक छात्रा की जान पर भारी पड़ गया। यूपी के अमरोहा में अधिक फास्ट फूड खाने से एक छात्रा की मौत हो गई। उसकी आंतें खराब हो गई थीं। छात्रा की सितंबर में तबीयत बिगड़नी शुरू हुई थी। तीन दिसंबर की रात में छात्रा का आपरेशन हुआ था लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।फास्ट फूड खाने का शौक अमरोहा की 11वीं की छात्रा अहाना (16) की जान पर भारी पड़ गया। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा- बर्गर खाने से उसकी आंतें खराब हो गईं, उनमें छेद हो गए। निजी अस्पताल में छात्रा का ऑपरेशन कराया गया, बावजूद इसके उसे बचाया नहीं जा सका। दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान रविवार की रात छात्रा की मौत हो गई। छात्रा थी। किसान मंसूर खान के परिवार में पत्नी सारा खान के अलावा एक कॉलेज में 11वीं की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक अहाना को फास्ट बर्गर जैसे फास्ट फूड खाती रहती थी। सितंबर माह में अहाना की अधिक दर्द की शिकायत होने पर 30 नवंबर को उसे मुरादाबाद के साथ उनमें छेद होने की बात बताई। डॉक्टरों ने आंतें खराब होने का तबीयत- अस्पताल में भर्ती अहाना का 30 दिसंबर की रात डॉक्टर ने मिल गई थी। लेकिन, अहाना लगातार कमजोर होती चली गई, चार को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया। अहाना की हार्ट फेल होने से मौत- चलने फिरने भी लगी थी। लेकिन रविवार की रात अचानक अहाना मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू ने बताया कि डॉक्टरों ने फास्ट फूड खाने

से आंत खराब होने की वजह बताई है। होनहार अहाना की मौत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खाने में स्वादिष्ट फास्ट फूड सेहत के लिए बेहद हानिकारक- फास्ट फूड भले ही स्वाद में अच्छा लगता हो, लेकिन यह सेहत के लिए बेहद हानिकारक है। इसे कम से कम खाना चाहिए और हेल्दी फूड को अपनी आदत बनाना चाहिए। अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो जंक फूड से बचें और पोषण से भरपूर आहार लें। इसके अलावा नियमित रूप से व्यायाम करें, पानी पीएं और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं ताकि आप खुद को बीमारियों से बचा सकें। सीएमओ डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि हमारे शरीर को सबसे ज्यादा नुकसान फास्ट और प्रोसेस्ड फूड से होता है। इस तरह की चीजें न सिर्फ तेजी से शरीर के वजन को बढ़ाने वाली हो सकती हैं, साथ ही इसके कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। फास्ट फूड का शारीरिक और मानसिक रूप से सेहत पर असर देखा जाता है। डॉक्टर की सलाह - जंक फूड में अधिक कैलोरी होती है जो शरीर में चर्बी जमा करता है। वजन बढ़ने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फास्ट फूड्स में में अधिक फैट और कोलेस्ट्रॉल होता है, जिससे दिल की नसें ब्लॉक हो सकती हैं। इससे हार्ट अटैक तथा स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा मीठा और तला-भुना हुआ खाने से ब्लड शुगर बढ़ता है। शरीर में इंसुलिन का असर कम हो सकता है, जिससे टाइप टू डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। जंक फूड में फाइबर नहीं होता है, जिसके कारण कब्ज, एसिडिटी और गैस की समस्या पैदा होती है। इससे पेट की अन्य बीमारियां भी हो सकती हैं। अधिक जंक फूड खाने से तनाव और चिंता बढ़ सकती है। यह डिप्रेशन और मूड स्विंग्स का कारण भी बन सकता है। आपको किसी भी काम में फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। जंक फूड से तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन जल्दी खत्म भी हो जाती है। यह शरीर को सुस्त बना सकता है और काम करने की क्षमता कम कर सकता है। ज्यादा तला-भुना और मीठा खाने से पिंपल्स और एक्ने हो सकते हैं। त्वचा बेजान और रूखी हो सकती है। फास्ट फूड्स से पोषण नहीं मिलने पर शरीर बीमारियों से लड़ने में कमजोर हो सकता है। इंफेक्शन और सर्दी-खांसी जल्दी होती है। स्वस्थ रहने के लिए इन चीजों से बचें- समोसा, कचौरी, पकौड़े, फ्रेंच फ्राइज आदि। पिज्जा, बर्गर, हॉट डॉग, मोमोज आदि। केक, कुकीज, पेस्ट्री, चॉकलेट आदि। चिप्स, नमकीन, कुरकुरे आदि। सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस आदि। दाल, रोटी और सब्जी से नाता टूट गया है और भागमभाग लाइफ में फास्ट फूड लोगों की डाइट का हिस्सा बन गया है। स्कूल-कॉलेजों के स्टूडेंट्स में फास्ट फूड का अधिक क्रेज है। पिज्जा, बर्गर, चाउमीन और कोल्ड ड्रिंक्स के सेहत पर पड़ने वाले नुकसान से अंजान युवाओं ने इसे अपनी रोज की डाइट में जोड़ लिया है। फास्ट फूड का लगातार इस्तेमाल मोटापा, डायबिटीज, दिल संबंधी रोगों को दावत दे रहा है। चलन और बच्चों की पसंद के चलते अभिभावक भी फास्ट फूड दिलाने से उन्हें नहीं रोकते हैं। लगातार फास्ट फूड खाने से सेहत पर असर पड़ता है। इसकी वजह से ही टीनएज सबसे ज्यादा फैटी लिवर के शिकार हो रहे हैं। पिज्जा, बर्गर, चाऊमीन सभी मैदा से बने होते हैं। इनके सेवन से आंतों को नुकसान पहुंचता है। लगातार इस्तेमाल से लिवर के डैमेज होने के कई मामले सामने आ रहे हैं। स्ट्रीट वैन में मिलने वाले फास्टफूड में साफ-सफाई के साथ क्वालिटी ऑयल व मसालों का प्रयोग नहीं किया जाता है। -डॉ. फाइक अली, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी फास्ट फूड के नियमित सेवन से होने वाली बीमारियां लिवर संबंधी बीमारी मोटापा डायबिटीज कैंसर दिल संबंधी बीमारियां हाइपरटेंशन इन्हें करें डाइट से अलग स्ट्रीट स्टॉल पर बने पिज्जा, चाउमीन, बर्गर से बनाएं दूरी अधिक तेज, मसाले और मिर्च से बने खाद्य पदार्थ से बचें मैदा से बनने वाले खाद्य पदार्थों का कम करें इस्तेमाल सॉफ्ट ड्रिंक्स का अधिक प्रयोग सेहत के लिए हानिकारक खाने में इन चीजों को करें शामिल दाल, सब्जी, रोटी, चावल को करें शामिल घर में बने फास्ट फूड को दें तरजीह सलाद को बनाए लंच व ब्रेक फास्ट का हिस्सा लिवर और आंतों को नुकसान पहुंचाता है फास्ट फूड वरिष्ठ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. राजीव गुप्ता का कहना है कि जरूरत से ज्यादा फास्ट फूड लिवर व आंतों को नुकसान पहुंचाया है। बच्चों व युवाओं में ज्यादा फास्ट फूड के कारण कम उम्र में डायबिटीज और और फैटी लिवर के मामले बढ़ रहे हैं। यदि खाने की जगह कोई फास्ट फूड ही खाता है तो यह एक समय के बाद जानलेवा हो सकता है। इससे शुगर, बीपी, कॉलेस्ट्रॉल, फैटी लिवर, अल्सर, सिरोसिस जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जो जटिल होती जाती हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### दहशत के पल: बाहरी युवकों ने हिंदू कॉलेज के छात्रों पर किया हमला, एक घंटे प्राचार्य कक्ष में छिपे रहे पीड़ित

हिंदू कॉलेज के गेट पर बाहरी युवकों ने दो छात्रों को बुलाकर उनके साथ जमकर मारपीट की। घटना से कॉलेज में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में आए छात्र करीब एक घंटे तक प्राचार्य कक्ष में छिपे रहे।हिंदू कॉलेज के गेट पर सोमवार दोपहर बाहरी युवकों ने कॉलेज के दो छात्रों को पीट दिया। प्राचार्य व मुख्य नियंता के पहुंचने से पहले वह जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। दहशत में आए पीड़ित छात्र करीब एक घंटे तक प्राचार्य कक्ष में छिपे रहे। कॉलेज प्रशासन ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। हिंदू कॉलेज में सोमवार को फॉर्म जमा करने वालों की जबरदस्त भीड़ थी। इसी बीच दोपहर दो बजे के करीब बाहरी युवकों ने बीकॉम तीसरे सेमेस्टर और बीए पांचवें सेमेस्टर के दो छात्रों को फोन कर कॉलेज के गेट पर बुलाया। जब छात्र कॉलेज के गेट पर पहुंचे तो उन्होंने दोनों छात्रों के बाल पकड़ कर दबोच लिया और लात-घूंसों से उन दोनों की जमकर पिटाई की।जैसे-तैसे छात्र अपनी जान बचाने के लिए कॉलेज परिसर की ओर भागे। पीछे-पीछे बाहरी युवक भी पीछे दौड़े। घटना को देख कॉलेज में अफरा-तफरी मच गई। मैदान में बैठे प्राचार्य व अन्य शिक्षक भी घटनास्थल की ओर दौड़े। उन्हें आता देखकर बाहरी युवक दोनों छात्रों को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आरोपियों की दहशत का आलम यह था कि पीड़ित दोनों छात्र प्राचार्य कक्ष में छिप गए। काफी देर बाद भी वह कॉलेज से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। बाद में वरिष्ठ छात्रों को कालेज बुलाकर उनके साथ अपने घरों को गए। छात्रा से मुलाकात व वर्चस्व को बताया जा रहा है वजह- छात्रों ने बताया कि उन्होंने सोमवार दोपहर एक कैफे में बीए पांचवें सेमेस्टर की एक छात्रा से मुलाकात की थी। कॉफी पीने के बाद छात्रा अपने घर चली गई थी और दोनों छात्र कॉलेज में आ गए। इसके बाद ही आरोपी युवकों ने उन्हें फोन किया था। इसके अलावा कॉलेज में छात्रों के बीच आपसी वर्चस्व को भी विवाद का कारण बताया जा रहा है।

### 25 दिसंबर को पीएम मोदी आएंगे लखनऊ, अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग; बंद रहेंगे उस क्षेत्र के 126 स्कूल

पीएम मोदी 25 दिसंबर को लखनऊ आ रहे हैं। वह राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई। शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से केजीएमयू, पीजीआई और लोकबंधु अस्पताल को सेफ हाउस बनाया गया है। लोकबंधु की टीम एयरपोर्ट पर मुस्तैद रहेगी। इसके अलावा एंबुलेंस, प्रधानमंत्री के ब्लड ग्रुप के लाइव डोनर की भी पुख्ता व्यवस्था कर रखी गई है।सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए पीजीआई, केजीएमयू को सेफ हाउस बनाया गया है। वहां अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बेड आरक्षित किए गए हैं। डॉक्टर और स्टाफ की ड्यूटी लगाई है। ऐसे ही लोकबंधु अस्पताल के डॉक्टर, स्टाफ की ड्यूटी तीसरे सेफ हाउस के तौर पर एयरपोर्ट पर रहेगी।प्रधानमंत्री के शहर में आगमन से लेकर जाने तक 20 बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट ) और चार एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट ) एंबुलेंस अलर्ट रहेंगी। प्रधानमंत्री के ब्लड ग्रुप के दो लाइव डोनर उनकी फ्लीट में रहेंगे। सभी ब्लड बैंकों में प्रधानमंत्री के ब्लड ग्रुप वाले रक्त को सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल की पार्किंग में डॉक्टर व स्टॉफ की 20 टीमें रहेंगी। पीएम की फ्लीट के साथ चार टीमें रहेंगी। 24 और 25 दिसंबर को बंद रहेंगे 126 स्कूलराष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के 126 विद्यालय 24 व 25 दिसंबर को पढ़ाई नहीं होगी। इन विद्यालयों के भवन को प्रशासनिक व्यवस्था के लिए आरक्षित किया गया है। लखनऊ पुलिस आयुक्त ने समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधन को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। पुलिस आयुक्त ने बताया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में आने वाले पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारियों के ठहराव और पार्किंग के लिए एक दिन पहले 24 दिसंबर से विद्यालय भवनों को रिजर्व में लिया गया है। इसके अतिरिक्त 25 दिसंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, मुख्यमंत्री, अन्य विशिष्ट अतिथियों एवं बड़ी संख्या में लोगों के आगमन के दौरान स्कूली बच्चों को किसी तरह की परेशानी न हो इसलिए कार्यक्रम स प्ति तक विद्यालय बंद रखने के लिए निर्देशित किया गया है। बदला रहेगा शहर का यातायात- 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने राजधानी आ रहे हैं। कार्यक्रम के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन जारी किया है। 24 दिसंबर की रात 12 बजे से बृहस्पतिवार को कार्यक्रम की समाप्ति तक यातायात बदला रहेगा। इमरजेंसी की स्थिति में प्रतिबंधित मार्ग पर एंबुलेंस, फायर सर्विस, स्कूली वाहन, शव वाहन को रास्ता दिया जाएगा। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है। आंतरिक डायवर्जन- - मलिहाबाद चौराहे से बाजनगर किसान पथ, छंदोईया की ओर भारी या अन्य वाहन नहीं जा सकेंगे। इन्हें जीरो पॉइंट मोहान रोड होकर जाना होगा। - मुंजासा तिराहे से बाजनगर किसान पथ, छंदोईया की ओर वाहन नहीं जाएंगे।

# भारतीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल की मासिक बैठक हुई संपन्न

**क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती**

**बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षा दल बृजेश कुमार मिश्रा**

जनपद के लक्ष्मनगर बाजार में भारतीय हिन्दू परिषद गौ रक्षा दल की मासिक बैठक का आयोजन भव्य रूप से किया गया। यह बैठक गौ रक्षा दल के जिला अध्यक्ष श्रावस्ती प्रियव्रत मिश्रा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। बैठक के मुख्य अतिथि बृजेश कुमार मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षा दल रहे। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता की रक्षा, सेवा और उनके समुचित रख-रखाव को संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना होगा। उन्होंने गौ तस्करी पर रोक, बीमार व निराश्रित गौवंश की सेवा, तथा गौशालाओं के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज में जागरूकता फैलाने और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद/ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्ती दद्दन मिश्रा एवं महेश मिश्रा ओम , पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रावस्ती भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि गौ रक्षा केवल एक दायित्व नहीं बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा का माध्यम है। उन्होंने संगठन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर प्रियव्रत मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रावस्ती ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि टीम वर्क और अनुशासन के बल पर ही गौ रक्षक दल अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकता है।

बैठक के अंत में संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई तथा गौ सेवा एवं सुरक्षा को लेकर संकल्प लिया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बृजेश कुमार मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षा दल, अभिषेक कुमार श्रीवास्तव प्रदेश सचिव गौ रक्षा दल, एवं साथीगण, अवध राज शुक्ला प्रांत अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष मंजीत मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल,प्रवीण कुमार मिश्रा जिला उपाध्यक्ष,शिवम कुमार शर्मा जिला कोषाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी जिला महामंत्री, रामू सोनकर ब्लाक सगंठन मंत्री, प्रदीप मोर्या,पंकज कुमार तिवारी जिला सचिव, धनंजय कुमार मिश्रा जिला विधिक सलाहकार गौ रक्षा दल, सुरेश चंद्र तिवारी जिला अध्यक्ष जिला मॉडल बार एसोसिएशन श्रावस्ती, सतीश चंद्र मिश्रा कार्यक्रम संरक्षक,रमेश कुमार तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार वर्मा तहसील उपाध्यक्ष जमुनहा आदि अन्य पदाधिकारी गण भी शामिल रहे कार्यक्रम का सफल संचालन मंजीत कुमार मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष गोरक्षा दल ने किया

# मिशन शक्ति फेज 5. 0 के तहत् आदर्श इंटर कॉलेज जमुनहा में कार्यक्रम आयोजित

**क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती** जनपद के विकासखंड जमुनहा स्थित आदर्श इंटर कॉलेज जमुनहा बाजार में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल की छात्राओं से एंटी रोमियो फॉर्म के माध्यम से उनकी सुरक्षा संबंधी सुझाव मांगे गए और उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को बताया कि प्रदेश सरकार ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया है।

प्रत्येक थाने में एंटी रोमियो पुलिसकर्मी नियुक्त किए गए हैं, जो छात्राओं की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

टीम ने यह भी जानकारी दी कि विद्यालयों में एक शिकायत पेटिका उपलब्ध होगी। छात्राएं

अपनी शिकायतें लिखकर इस पेटिका में डाल सकती हैं। पुलिस विभाग के कर्मचारी इन शिकायत पत्रों को निकालकर जांच करेंगे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस पहल के तहत छात्राओं को फीडबैक फॉर्म भी उपलब्ध कराए गए, जिन्हें भरकर टीम को सौंपने को कहा गया।

इसके अतिरिक्त, छात्राओं को प्रदेश सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

इनमें 112 और 1090 जैसे नंबर शामिल हैं, जिन पर कॉल करके वे अपने साथ हो रहे किसी भी अन्याय की सूचना दे सकती हैं। स्क्वायड द्वारा तुरंत जांच कर कार्रवाई की जाएगी और शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

इस कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर सतीश चंद्र मिश्रा, हेड कांस्टेबल जलालुद्दीन, कांस्टेबल विजय कुमार लाल, महिला आरक्षी निश्चल गौरव सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ और कर्मचारी मौजूद रहे।

# 62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा में तृतीय हिन्दी तिमाही बैठक का सफल आयोजन

**क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती**

अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय भिनगा के सभागार में तृतीय हिन्दी तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य वाहिनी में राजभाषा हिंदी के प्रयोग, प्रगति एवं प्रचार-प्रसार की समीक्षा करना तथा आगामी अवधि में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए कमान्डेंट ने सभी अधिकारियों, लिपिक वर्ग एवं जवानों को निर्देशित किया कि कार्यालयीन कार्यों जैसे पत्राचार, टिप्पणियाँ, प्रतिवेदन, आदेश एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है, बल्कि यह संपर्क और संवाद का सशक्त माध्यम भी है, जिससे कार्य में पारदर्शिता और सरलता आती है।

कमान्डेंट ने यह भी स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी एवं अधिकारी कार्यालयीन कार्यों में सर्वाधिक हिंदी का प्रयोग करेंगे, उन्हें भविष्य में प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा, ताकि सभी कार्मिकों में हिंदी के प्रति सकारात्मक भावना विकसित हो सके और राजभाषा नीति को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

इस अवसर पर गोबर्धन पुजारी, उप कमान्डेंट, वाहिनी के अन्य अधिकारीगण, मुख्य लिपिक निरीक्षक राकेश कुमार, कार्यालय के अन्य लिपिक कर्मचारी एवं जवान उपस्थित रहे। बैठक के दौरान हिंदी कार्य की तिमाही प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न अनुभागों में हिंदी प्रयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

# राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली सूची का हुआ प्रकाशन

**क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत।** राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली का मंगलवार को बीएलओ ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदाता सूची का प्रकाशन किया। सुपरवाइजरों ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदाता सूची के प्रकाशन का जायजा लिया। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूर्व में चले घर-घर पुनरीक्षण अभियान के पश्चात मंगलवार को बूथ लेबिल आफीसर (बीएलओ) ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की मौजूदगी में बीएलओ ने केंद्रों पर पंचायत निर्वाचक नामावली-2025 की मतदाता सूची का प्रकाशन किया। बीएलओ ने मतदाता सूची मतदाताओं को पढ़कर सुनाई तथा बीएलओ ने ग्रामीणों को मतदाता सूची बारी-बारी से दिखाई। सुपरवाइजर ऋषि सक्सेना,ब्रजेश शुक्ला,वीरपाल आदि ने मतदान केंद्र तकिया दीनारपुर,रघुनाथपुर, अमरैयाकलां, लोधीपुर,रुद्रपुर, नईबस्ती,भवानीगंज,रुरियासलेमपुर, सिरसा,तहसील कार्यालय,ब्लॉक कार्यालय आदि कई मतदान केंद्रों पर निर्वाचक नामावली के प्रकाशन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। सूची के प्रकाशन के समय मतदान केंद्रों पर बीएलओ राधाकृष्ण कुशवाहा,संजीव अग्रवाल,विमलेश राठौर,अंकित कुमार, अनामिका प्रजापति, विकास,खलीक अहमद,अतुल विश्वकर्मा आदि मौके पर उपस्थित मिले।

# अधिवक्ता और बिजली कर्मचारी में जमकर हुई मारपीट दोनों तरफ से तहरीर पुलिस को दी गई

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिजली कर्मचारी ने अधिवक्ता पर पैसे लूटने सरकारी काम बाधा डालने का आरोप लगाया अधिवक्ता थाने में सीओ से मिले बिजली एसडीओ और कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की पूरनपुर-पीलीभीत।बिजली सही कराने की जानकारी को लेकर अधिवक्ता और बिजली कर्मचारी में जमकर हुई मारपीट दोनों तरफ

से पुलिस को तहरीर दी गई। मंगलवार को दोपहर अधिवक्ता संजय पांडेय अपनी साथी जैतराम पासवान के साथ बिजली बिल सही कराने के लिए गए हुए थे। बिजली विभाग में तैनात एसडीओ मोहित गुप्ता अधिवक्ता संजय पांडेय और जैतराम पासवान को देखकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे।इसका संजय पांडेय और जैतराम ने विरोध किया तो एसडीओ मोहित गुप्ता ने पांच छह लड़कों को बुला लिया दोनों लोगों पर एक साथ टूट पड़े मारपीट करने लगे और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया भाग कर जान बचाई। पुलिस को कार्यवाही के लिए तहरीर दी। बिजली विभाग के कार्यकारी साहयक कैशियर शिवांशु मिश्रा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया वह कैश रुम में कैश जमा कर रहे थे।इसी बीच संजय पांडेय अपने लगभग आठ साथियों के साथ कैश काउंटर में घुस आए और सरकारी कार्य में बांधा डालते हुए गालियां देने लगे पूछने पर हाथापाई मारपीट करने गले जिससे काफी चोटे आई और स्टाफ को जातिसूचक गालियां देने लगे और कैश काउंटर में 266769 रुपये रखें थे। अधिवक्ता 139189 रुपये लूट ले गए। कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर अधिवक्ता संजय पांडे,जैतराम पासवान सहित 8 लोगे के खिलाफ तहरीर दी है।

# अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने बांग्लादेश सरकार का फूंका पुतला

क्यूँ न लिखूँ सच/ बीसलपुर-पीलीभीत। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने नगर के प्राइवेट बस स्टैंड पर बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन किया तथा देश के प्रधानमंत्री व गृह मंत्री से बांग्लादेश सरकार के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाने की मांग की। अखिल भारतीय हिंदू सभा के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध करते हुए प्राइवेट बस स्टैंड पर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला दहन किया।

इस मौके पर नगर महामंत्री अवनीश रतन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह को ठोस कदम उठाने चाहिए क्योंकि हमारे पड़ोसी देश योजनाबद्ध होकर हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों का खुलेआम मानवाधिकारों का हनन हो रहा है उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को शक्ति से नहीं उठाया गया तो स्थिति और भी खराब हो सकती है पुतला दहल करने वालों में मंडल अध्यक्ष बबीता सक्सेना, नगर संरक्षक नरेश चंद्र शर्मा, नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी, वरिष्ठ नगर उपाध्यक्ष अनूप शर्मा, युवा नगर अध्यक्ष दीपक मौर्य, युवा नगर महामंत्री प्रतीक ठाकरे, नगर मीडिया प्रभारी योगेंद्र गंगवार, नगर सचिव वीरेंद्र गंगवार, उपाध्यक्ष शिवम गंगवार, मुकेश गोस्वामी, महिला नगर अध्यक्ष कृति शर्मा, युवा नगर मंत्री रवि यादव, मीडिया प्रभारी पियूष गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### विधान परिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी ने प्रमुख सचिव को लिखा पत्र, जमुनहा क्षेत्र में बिजली समस्या के समाधान की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती विधान परिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी ने श्रावस्ती के जमुनहा क्षेत्र में गंभीर बिजली समस्या को लेकर प्रमुख सचिव, विधान परिषद को पत्र लिखा है। उन्होंने क्षेत्र में 132 केवीए विद्युत सबस्टेशन के निर्माण की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि जमुनहा विकासखंड में बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। पहले 132 केवीए सबस्टेशन के निर्माण का प्रस्ताव था और ग्राम पंचायत सरका बरांव में इसके लिए भूमि भी आवंटित हो चुकी थी। हालांकि, हाल ही में विभागीय अधिकारियों से पता चला है कि यह सबस्टेशन अब नानपारा में बनाया जाएगा। जमुनहा क्षेत्र में बिजली की यह गंभीर समस्या स्थानीय जनता के दैनिक जीवन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। विधान परिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी ने अपने पत्र में जोर दिया है कि जमुनहा में 132 केवीए विद्युत सबस्टेशन के निर्माण से न केवल बिजली समस्या का समाधान होगा, बल्कि क्षेत्र के विद्युत विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने प्रमुख सचिव से इस सबस्टेशन का निर्माण जमुनहा में ही कराने की मांग की है ताकि निवासियों को सुचारू रूप से बिजली मिल सके।

### सप्त शक्ति संगम मातृ सम्मेलन का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर के गांव सेहरामऊ उत्तरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में विद्या भारती क तत्वावधान में सप्त शक्ति संगम/मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मातृ शक्ति

की भूमिका,दायित्व और समाज में उनके योगदान पर चर्चा की गई। मातृ सम्मेलन की मुख्य वक्ता सरस्वती विद्या मंदिर की प्रवक्ता संजीता सिंह एवं अध्यक्ष स्नेहलता पांडे, मुख्य अतिथि ममता शर्मा एवं सपना पाल,विशिष्ट अतिथि उमादेवी व गीता मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने नारियों में सहनशीलता,धैर्य, अनुशासन जैसे गुणों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज का आधार स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि नारी की शक्ति से ही परिवार,समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है।मंच पर ममता शर्मा, महिला आरक्षी सपना पाल,सुमन यादव सहित शिवकुमार, सुभाष त्रिवेदी,सुभाष चंद्र मिश्र,राकेश मिश्रा,निखिल मिश्रा, संजीव वाजपेई, आदीश त्रिवेदी,श्याम बिहारी अर्कवंशी आदि मौजूद रहे।

### नगर में फैला अतिक्रमण का जाल, प्रशासन मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ बीसलपुर-पीलीभीत। नगर पालिका से लेकर ईदगाह चौराहे तक मार्ग पर पूरे दिन ई रिक्शा की वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है अधिकारी इस ओर

कोई ध्यान देते नजर नहीं आ रहे हैं जिसके कारण लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं। कोतवाली गेट से लेकर दयाल मेडिकल स्टोर तक चार पहिया वाहन मार्ग के दोनों तरफ खड़े होते हैं जिससे मरीज को ले जाने वाली एंबुलेंस घंटों फंसी रहती है इसके अलावा नगर पालिका गेट से लेकर ईदगाह चौराहे तक एक तरफ फल विक्रेताओं ने ठेले लगा रखे हैं और दूसरी तरफ ई रिक्शा की बढ़ती संख्या के कारण पूरे नगर में जाम की स्थिति पैदा हो गई है। तत्कालीन एसडीम वंदना त्रिवेदी ने मार्ग पर पोल लगवा दिए थे ताकि इस मार्ग से बड़े वाहन न गुजरें बड़े वाहन न गुजरने से जाम की स्थिति में काफी सुधार हुआ था। उनके स्थानांतरण होने के बाद किसी भी अधिकारी ने अतिक्रमण की ओर ध्यान नहीं दिया ऐसा नहीं कि इन अधिकारियों की गाड़ी जाम में ना फंसती हो लेकिन हूटर बजाते हुए अधिकारी अपनी गाड़ियों को लेकर चले जाते हैं लेकिन राहगीर घंटों जाम में फंसे रहते हैं इस बात से अधिकारियों को कोई सरोकार नहीं है। जिससे राहगीरों में अधिकारियों के खिलाफ रोष व्याप्त है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# New Year, New Danger? Don't fall victim to Holiday Heart Syndrome amidst the celebrations? Learn how to prevent it.

**People immersed in New Year's celebrations often forget to take care of their health, increasing the risk of 'Holiday Heart Syndrome.' This syndrome can cause irregular heartbeats, especially with excessive alcohol consumption. To prevent this, it's important to practice moderation and pay attention to your health. Festive eating increases heart pressure. Alcohol, salt, and stress are the main causes. Proper diet and sleep are essential for prevention. The year 2025 is just a few days away. The New Year will arrive in about 10 days, and with it, people begin preparations to welcome the New Year. This is the time of year when everyone is in a party mood. This time is associated with celebration, fun, and relaxation. However, this time is a time of danger for your heart. In fact, during the festive and party season, heart pressure often increases due to food. During this time, young people experience a rapid increase in complaints of symptoms like increased heart rate, sudden increases in blood pressure, and even heart attacks. Let's find out why this time of year is dangerous for the heart - why does the risk increase for the heart? - Heart problems that occur during festive or holiday seasons are known as Holiday Heart Syndrome (HHS). While this was originally thought to be a heart condition caused by alcohol, it has now become associated with many other causes. Experts believe that excessive alcohol consumption, along with excessive salt intake, lack of sleep, and increased mental stress, can also cause heart problems. Even short-term lifestyle changes can disrupt heart rhythms, increase blood pressure, and uncover previously hidden heart conditions. How dangerous are parties for the heart? - Excessive drinking is the most common cause of Holiday Heart Syndrome. According to medical research, consuming five or more drinks for men and four or more for women in a short period of time is considered binge drinking. Studies published by the National Institutes of Health (NIH) and the European Society of Cardiology (ESC) show that even a single binge can disrupt the heart's electrical system, regardless of prior heart health. Alcohol damages the heart: Alcohol acts as a myocardial toxin and overactivates the body's fight-or-flight response, the sympathetic nervous system, especially during a hangover. This increases the resting heart rate and shortens the atrial refractory period, leading to conditions like arrhythmias. Excessive salt is also dangerous: Although alcohol primarily causes heart problems, diet and stress during the festive season also play a significant role in causing sudden increases in blood pressure. Party snacks, processed meats, and restaurant meals are typically high in sodium. According to the World Health Organization (WHO), adults should limit their sodium intake to less than 2,300 mg per day. This limit is often exceeded several times during a single party night. Excess sodium causes the body to retain water, increasing blood volume and forcing the heart to pump harder. This can cause a sudden and short-term increase in blood pressure even in people who do not suffer from high blood pressure. It's also important to avoid these: Emotional and physical stress, staying up late, lack of sleep, financial pressure, and social obligations also contribute significantly. High levels of stress hormones like cortisol and adrenaline can lower blood pressure and increase heart rate. How to take care of your heart during the festive season: Avoid excessive alcohol consumption and drink water with alcohol. Limit processed and packaged party foods. Aim to get 7-8 hours of sleep, even during the festive season. Deep breathing, taking a short walk, and meditating breaks can help reduce the sudden surge of adrenaline. Seek immediate medical attention if you experience palpitations, chest discomfort, dizziness, or unusual fatigue.**

# "Tiger Parenting" Can Make Children Mentally Ill; Excessive Strictness Also Affects DNA

**Many parents adopt a strict approach to improve their children's future. They believe this will lead to better outcomes, but a study suggests otherwise. According to this study, strict parenting can impact children's mental health. Tiger Parenting Affects Children's Mental Health Strict parenting can make children prone to depression School bullying also impacts mental health A recent study has revealed that excessively strict parenting, known as "Tiger Parenting," can have a negative impact on children's mental health. In this type of parenting, children are expected to follow orders without question, are punished for mistakes, and their feelings are not considered. New research from Nepal's Tribhuvan University shows that children raised in such environments are at significantly increased risk of depression, anxiety, and stress. Yes, such strict parenting significantly impacts children's mental health. What does the study say? Tiger parenting means extremely strict discipline, high expectations, and a "do as you're told" attitude. Such parents typically pressure their children for a better future, but this pressure gradually takes a toll on them. According to the study, this upbringing can leave children emotionally vulnerable, as they are given less opportunity to express themselves or learn from their mistakes. The study interviewed 583 schoolchildren aged 10 to 18. They were asked questions about their parents' behavior and their own mental state. According to the study's lead author, Dr. Anjali Bhatt, children who described their parents as "authoritarian," or very strict, were more likely to experience symptoms of depression, anxiety, and stress. At the same time, children whose parents were cooperative, communicated with them, and set rules sensibly were found to have fewer mental problems. Children tend to feel isolated. The study also revealed that children of strict parents may have slightly higher self-esteem, but this benefit pales in comparison to the negative impact on their mental health. Living under constant pressure and fear can make children feel isolated and helpless, which can deteriorate their emotional health. Bullying at school can also harm mental health - Another important finding revealed in the research is that bullying at school has a profound impact on children's mental health. Children who reported being bullied were two to two and a half times more likely to suffer from depression and anxiety. This clearly shows that children's social environment, especially their school experience, also influences their mental state. The impact is also visible on DNA - Furthermore, some research suggests that the effects of strict parenting can be visible at the level of children's DNA. A UK study found that very strict parenting can cause changes in children's genes that reduce their ability to deal with stress. This pattern has also been seen in adults suffering from depression. Understanding is also important along with rules - Experts say that rules are important for children, but along with rules, communication and understanding are equally important. When parents explain the reason behind the rules to children, listen to them and adopt a corporative behavior, then both the confidence and mental health of the children remain better. It is clear that the balance between strictness and love is the key to happy and healthy parenting of children.**

# Want relief from migraine without medication? Make these small lifestyle changes today.

**Migraine is a severe headache that is often exacerbated by our own habits. Irregular sleep, skipping meals, lack of water, stress, excessive screen time, strong smells, excessive caffeine and alcohol consumption, and hormonal changes can trigger migraines. Irregular sleep and poor eating habits are causes of migraines. Caffeine and stress can aggravate migraines. Home remedies can provide relief from migraines. Migraine is not just a headache, but a profound neurological disorder that can severely impact a person's daily routine. Its symptoms include severe pain on one side of the head, nausea, vomiting, sensitivity to light and sound, etc. Sometimes, we make mistakes, knowingly or unknowingly, that aggravate migraines. However, with a little caution and some home remedies, this pain can be reduced. So let's learn about these mistakes and how to avoid them: Irregular sleep - Sleeping too much or too little can be a major cause of migraines. Develop a habit of going to sleep and waking up at a specific time every day. Skipping meals or eating at odd hours - Staying hungry for long periods or not eating on time triggers migraines. It's important to have three main meals and two light snacks a day. Excessive caffeine and alcohol consumption - Caffeinated drinks and alcohol can aggravate migraines. Consume them in moderation. Dehydration - Dehydration can aggravate migraines. Drink 8-10 glasses of water throughout the day. Excessive screen time - The light from mobile phones, laptops, or TV screens puts strain on the eyes and brain, which can aggravate migraines. Rest your eyes every 20 minutes. Strong smells or sunlight - Perfumes, deodorants, or bright sunlight can trigger migraines in some people. Stay away from such environments. Stress and anxiety - Mental stress is the biggest cause of migraines. Do meditation, deep breathing or yoga daily. Ignoring hormonal changes - Hormonal fluctuations during periods or menopause in women increase migraine. Get regular checkups done as per the advice of the doctor. Home remedies for migraine relief - Place a cold water compress on the head. Inhale the fragrance of mint or lavender oil. Drink ginger tea, it reduces swelling and pain. Avoid trigger foods like chocolate, cheese and fast food. Eat things rich in magnesium and vitamin B12 like spinach, banana, curd. By taking care of these small things, you can reduce migraine pain to a great extent and make your life better.**

# What a rude man... Aryan Khan had Manoj Pahwa use abusive language, Shah Rukh Khan had given his approval.

**Ba***ds Of Bollywood: Manoj Pahwa also revealed that he was hesitant to call Shah Rukh Khan "Ghante Ka Badshah" in "The Bads Of Bollywood." In "Ba***ds Of Bollywood," Aryan had Manoj Pahwa use abusive language, leading to a heated argument between the two - Shah Rukh Khan had given his approval. Manoj Pahwa, who played a key role in "Ba***ds Of Bollywood," revealed that he had some disagreements with Aryan Khan during the filming of "The Bads Of Bollywood." In a recent interview, Pahwa revealed that he was hesitant about using abusive language on the show. However, Aryan Khan assured him that Shah Rukh Khan had read it and approved it. Manoj Pahwa's argument with Aryan Khan: Manoj Pahwa recently shared on the YouTube channel "Khaane Mein Kya Hai," had a little argument on a few occasions." He "We even said, "I said, 'So many abuses, I mean, just a little... what a rude man he is.'" friend, To this, Aryan replied, "Sir, me, I'll like it. Trust me." Shah Rukh Khan believe approved the dialogue. Manoj further explained that he was hesitant to even call Shah Rukh Khan "King of the Hours," but it was Aryan who convinced him. He called Shah Rukh sir "King of the Hours," and I said, "It's not like that, friend..." He said, "Dad has read the script. The abuse sounds really good coming from you. Dad told me to keep it." I said, "It's not right that I'm calling Shah Rukh the "King of the Hours." He said, "Dad has read the script and he's used the abuse." The Bads of Bollywood was also declared IMDb's most popular series of 2025 in India. Aryan Khan's first directorial debut topped the charts. It was directed by Shah Rukh's son, Aryan, and also marked his directorial debut.**

# A 50-Year-Old Film Takes Over OTT Platforms, Trending in the Top 10 Action Adventures

**These days, OTT platforms have become a great source of entertainment. While new films and series are released, older films are also being released on these platforms, and audiences are loving them immensely. Today, we bring you one such film. A 50-Year-Old Film Takes Over OTT Platforms, Trending in the Top 10 Action Adventures - This movie is one of Bollywood's biggest cult classics. Bollywood has a rich history, and the film industry has given the world some of the best films. Many cult classics are still loved by people and watched with equal interest. While viewers used to wait for TV to watch these films, OTT platforms have made it much easier. Trending on OTT Platforms - New films and series are released on OTT platforms, and now older films are also available for viewing. Interestingly, cult classic films made in the past can now be enjoyed on OTT platforms. We're going to mention one such film, which was released on OTT and is trending in the top 10. This film was released 50 years ago - This film has been released in theaters for 50 years, meaning it was released in 1975 and was loved by audiences. This action- adventure film achieved immense box office success and carved a special place in the hearts of audiences. It became a hallmark of Indian cinema not only in India but also abroad. Which film is this? - Every dialogue, character, song, and story from this film is on the lips of every child, even among Gen Z. We're talking about the cult classic Sholay. Yes, Sholay is trading at number three in the top 10 on Jio Hotstar. Currently, Sholay has been re-released in theatres. To celebrate the completion of 50 years of the film, the makers decided to release it again, that too with its original climax and uncut version. Dharmendra, Amitabh, Hema Malini, Jaya Bhaduri, Amjad Khan and Sanjeev Kumar have played important roles in the film. The film was released in theatres on 12th December, which you can experience again and if you want to watch this film at home, then this option is also open for you.**

# "By God's grace..." Elvish Yadav clarified the Munawar Farooqui case, accusing him of an NGO scam.

**Elvish Yadav has clarified the allegations of an NGO scam against him. He had appealed for funds to be raised for a child's treatment, after which Munawar Farooqui indirectly accused him. Elvish denied these allegations, stating that he does not take money for anyone's help and that the fundraising process is completely transparent. He also stated that he has reviewed the child's medical documents and that this is not a scam. Popular YouTuber and Bigg Boss OTT 2 winner Elvish Yadav has broken his silence on the NGO scam allegations against him by sharing a video on social media. For information, Elvish posted a video on Friday in which he appealed to his followers to help a family whose child suffers from spinal muscular atrophy (SMA) and has had to order expensive injections worth ?9 crore from the US for treatment. A day later, Munawar Faruqui shared a video message on his Instagram Stories alleging that some NGOs pay celebrities and influencers to make emotional appeals to raise funds. Although he did not name Elvish, many interpreted his comments as criticism of the YouTuber. Now, Elvish has posted a video refuting the allegations of NGO scams and stating that he never takes money to help anyone. Now, Elvish has clarified.On Saturday, Elvis Yadav responded to the allegations by sharing a video message on X. He said, "I'm seeing everywhere that Elvish has scammed and taken money. First of all, I don't take money to help anyone. If they're paying me, why do they need help?" He further stated that a close friend had asked Elvish for help for a child, and questioned how anyone could ask for money from a friend in exchange for promoting his work to help a sick child. "I didn't ask for money," Elvish said. "No one would ask for money in this case, especially from a friend." He denied allegations of fraud, saying that the fundraising process is completely transparent. He explained that the NGO's information, barcodes, and fund tracking are publicly available. Elvish also stated that this is not a scam because he has seen the child's medical records, the doctors' names, and the hospital documents, which are genuine. Elvish further stated that he does not believe in fraud; God has blessed him with so much. Elvish finally said, "This is too much, brother. People need excuses to belittle them. Mind your own business."**